शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 227 | गुवाहाटी | गुरुवार, 20 मार्च, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

दंगाइयों ने महिला पुलिसकर्मियों के कपड़े फाड़ने की कोशिश की, पेट्रोल बम फेंके पेज 2
बिहार राज्य स्थापना दिवस 22 मार्च को एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत राष्ट्रीय... पेज 3
आक्रांता औरंगजेब की महिमा का मंडन करना सपा का चरित्र : केशव प्रसाद मौर्य पेज 5
पैंथर्स, विंग्स, क्लासिक और वॉरियर ने दर्ज की जीत पेज 7

Door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

पृथ्वी पर लौटी सुनीता विलियम्स, नासा ने किया स्वागत, पीएम मोदी ने कहा-आइए भारत

फ्लोरिडा (हि.स.)। नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) से संबद्ध भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर धरती पर वापस लौट आए। फ्लोरिडा के तट पर उनकी सफल लैंडिंग हुई है। दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर स्पेसएक्स क्रू-9 वापस धरती पर आ गया। नासा के ये दोनों अंतरिक्ष यात्री मात्र आठ दिन के मिशन पर गए थे। तकनीकी खराबी के कारण दोनों नौ माह और 13 दिन तक अंतरिक्ष में फंसे रहे। नासा ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है कि घर में आपका स्वागत है! नासा का स्पेसएक्स क्रू-9 विज्ञान मिशन के बाद धरती पर वापस आ गया है। नासा की वेबसाइट के

अनुसार, निक हेग, सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर और रोस्कोस्मोस के अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोरबुनोव पूर्वी समय पर शाम 5:57 बजे पृथ्वी पर लौट आए। स्पेसएक्स रिकवरी जहाजों पर सवार टीमों ने अंतरिक्ष यान और उसके चालक दल को वापस निकाला। तट पर लौटने के बाद चालक दल ह्यूस्टन में नासा के जॉनसन स्पेस सेंटर के लिए उड़ान भरेगा। वहां सभी अपने परिवारों से मिलेंगे। नासा के स्पेसएक्स क्रू-9 ने मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए एजेंसी के नौवें वाणिज्यिक क्रू रोटेशन मिशन को पूरा किया। यह अमेरिका की खाड़ी में फ्लोरिडा के तल्हासी तट से स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान में सुरक्षित रूप से उतरा। नासा की कार्यवाहक प्रशासक जेनेट पेट्रो ने कहा कि हम सुनीता, बुच, निक और एलेक्जेंडर की सुरक्षित घरवापसी पर रोमांचित हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर नासा और स्पेसएक्स की एक महीने की मेहनत रंग लाई। अंतर्राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी मानवता के लिए हाई पॉइंट हैं : सीएम

गुवाहाटी। नासा के अंतरिक्ष यात्री बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स का धरती पर स्वागत करते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को उनकी यात्रा को मानवता का *उच्चतम बिंदु* करार दिया। महीनों तक अंतरिक्ष में फंसे रहने के बाद, दोनों अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर लौट आए, तथा अपनी घर वापसी की यात्रा पूरी की, तथा नौ महीने पहले एक असफल परीक्षण उड़ान के साथ शुरू हुई उनकी यात्रा का -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

संघर्ष ही इंसान को सशक्त और मजबूत बनाता है, फिर चाहे वो कितना भी कमजोर क्यों न हो।।
-अज्ञात

न्यूज गैलरी

संसद को फ्रीबीज पर विचार करने की आवश्यकता : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को कहा कि प्रलोभन तंत्रों पर, तुष्टीकरण पर, जिसे अक्सर फ्रीबीज के रूप में जाना जाता है, इस सदन को विचार करने की आवश्यकता है। क्योंकि देश केवल तभी प्रगति करता है जब पूंजीगत व्यय उपलब्ध हो। चुनावी प्रक्रिया ऐसी हो गई है कि ये चुनावी -शेष पृष्ठ दो पर

गाजा की स्थिति पर भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने बुधवार को गाजा की स्थिति पर चिंता जताई। साथ ही यह भी कहा कि हमास की ओर से पकड़े गए इजरायली नागरिकों को रिहा किया जाना चाहिए। यह महत्वपूर्ण मसला है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि भारत गाजा के लोगों को निरंतर मानवीय सहायता जारी रखने का पक्षधर है। इजरायल और हमास के बीच संघर्ष विराम को लेकर बातचीत चल रही है। इसी बीच इजरायल ने फिलिस्तीनी -शेष पृष्ठ दो पर

पीएम आवास योजना के लाभार्थियों को मुख्यमंत्री ने दिए स्वीकृति पत्र

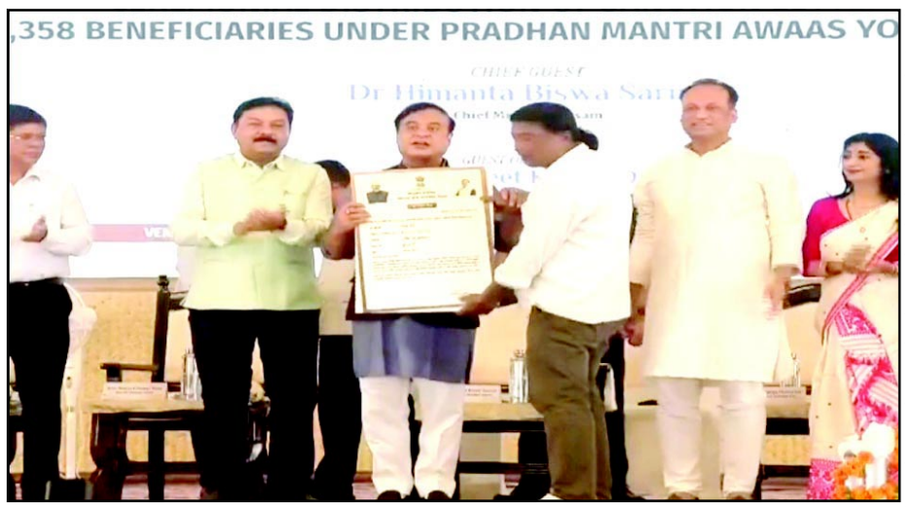

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सरकार अपने नागरिकों की आवासीय जरूरतों को प्राथमिकता दे रही है और प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के माध्यम से उचित आवास सुविधाएं सुनिश्चित कर रही है। मुख्यमंत्री ने पलाशबारी के रामपुर में आयोजित एक समारोह में औपचारिक रूप से लाभार्थियों को आवासीय प्रमाण पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने बताया कि पीएमएवाई-जी योजना के तहत 3.8 लाख लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र वितरित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आवास+ सर्वे 26 मार्च तक चलेगा, जिसे असम ग्रामीण सखियों द्वारा संचालित किया जा रहा है, ताकि संभावित लाभार्थियों की पहचान की जा सके। उन्होंने यह भी बताया कि इच्छुक आवेदक ई-केवाईसी के माध्यम से अपने आधार का निःशुल्क सत्यापन कर सकते हैं और स्वयं सत्यापन की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। उधर समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान और उन्हें राष्ट्र के विकास में शामिल करना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मूल विचारधारा रही है। इसी अंत्योदय सिद्धांत को अपनाते हुए भाजपा सरकार 2014 से ही देश की प्रगति के लिए कार्य कर रही है। इसी संकल्प के तहत बुधवार को पलाशबाड़ी में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत 3,88,538 लाभार्थियों को प्रथम किस्त के रूप में 37,500 रुपए की स्वीकृति पत्र वितरित किए। साथ ही, असम की 126 विधानसभा क्षेत्रों में भी स्थानीय विधायकों, सांसदों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र सौंपे गए। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ताओं किशोर कुमार उपाध्याय और पंकज बरबोरा ने अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि भाजपा सरकार के नेतृत्व में अब तक असम में 20,46,553 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर मिल चुका है, जो राज्य सरकार के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक आर्थिक रूप से कमजोर नागरिक को स्थायी आवास उपलब्ध कराना है। इस कल्याणकारी पहल से लाखों लोगों को समृद्धि और सुरक्षा मिली है। भाजपा, असम प्रदेश ने इस महत्वाकांक्षी योजना के सफल कार्यान्वयन के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया। प्रदेश प्रवक्ताओं ने इस उपलब्धि का श्रेय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व को दिया, जिन्होंने इस योजना को असम में व्यापक रूप से -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के हर हिस्से में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के प्रयास जारी : डॉ. शर्मा

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि तामुलपुर में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज राज्य में स्वास्थ्य सुविधा में सुधार के सरकार के प्रयासों को मजबूत करेगा, जिससे युवा पीढ़ी के लिए नए अवसर भी पैदा होंगे। सीएम शर्मा ने लिखा कि तामुलपुर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल राज्य के हर हिस्से में उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं को ले जाने और हमारे महत्वाकांक्षी युवाओं के लिए अधिक अवसर पैदा करने के हमारे प्रयासों को और मजबूत करेगा। मुख्यमंत्री के अनुसार, सरकार वर्तमान में 23 मेडिकल कॉलेज बना रही है, और एक साल में तीन और पर काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब बहुत लंबे समय तक सिर्फ तीन मेडिकल कॉलेज थे। हम अब राज्य भर में 23 मेडिकल कॉलेज बना रहे हैं, और हमारी योजना अगले साल के भीतर दारंग, होजई और हैलाकांडी जिलों में तीन और कॉलेज बनाने की है। सीएम शर्मा ने कहा कि असम के हर जिले में कम से कम एक विश्वविद्यालय है, जो पूरे असम -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री ने सिलचर में अत्यधिक पुलिस सुरक्षा की आलोचना की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को सिलचर की अपनी यात्रा के दौरान अत्यधिक पुलिस सुरक्षा पर नाराजगी व्यक्त की और इतनी बड़ी तैनाती की आवश्यकता पर सवाल उठाया। वायरल वीडियो में शर्मा को यह कहते हुए सुना गया कि मुझे इतने सारे पुलिस अधिकारियों की क्या जरूरत है? क्या मैं चोर या डकैत हूं? मुख्यमंत्री देशभक्त तरुण राम फूकन हाई स्कूल का दौरा कर रहे थे, जहां बड़ी संख्या में लोग उनके साथ सेल्फी लेने के लिए एकत्र हुए थे। हालांकि, भारी पुलिस बल की मौजूदगी को देखकर वे काफी परेशान दिखे और सुरक्षा व्यवस्था की खुलकर आलोचना की। शर्मा, रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम के शताब्दी समारोह में भाग लेने तथा श्री श्री रामकृष्ण परमहंसदेव के नवनिर्मित विश्व मंदिर का उद्घाटन करने के लिए सिलचर में थे।

बांग्लादेश पर प्रस्ताव पारित करेगा संघ, 21 से आरएसएस की तीन दिवसीय बैठक

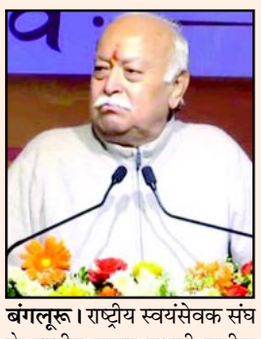

बंगलूरू। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय प्रचार प्रभारी सुनील आंबेकर ने बताया कि, संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा 21 से 23 मार्च तक बंगलूरू में तीन दिवसीय बैठक करेगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि इन तीन दिनों के दौरान, कार्यकारी समिति बांग्लादेश पर प्रस्ताव पारित करेगी और आरएसएस शताब्दी समारोह पारित किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि संघ के महासचिव दत्तात्रेय होसबोले संघ की तरफ से किए गए कार्यों और इसके भविष्य के रोडमैप का विस्तृत सारांश प्रस्तुत करेंगे। क्षेत्रीय प्रमुख भी अपने कार्यों, कार्यक्रमों, भूमिका और भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत करेंगे, -शेष पृष्ठ दो पर

असम में परिवहन नेटवर्क पर तीन लाख करोड़ के निवेश की योजना : गडकरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार असम में राष्ट्रीय राजमार्ग की परियोजनाओं पर शिद्दत के साथ काम कर रही है। सरकार असम में तीन लाख करोड़ रुपए निवेश करने की योजना बना रही है। गुवाहाटी की रिंग रोड दिसंबर, 2027 तक पूरी हो जाएगी। इसके निर्माण पर 5,800 करोड़ रुपए की लागत आएगी। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान सवालों का जवाब देते हुए बताया कि राज्य में परिवहन नेटवर्क को बेहतर बनाने के लिए सड़कें, पुल और सुरंगों का निर्माण किया जा रहा है। उनके मंत्रालय के पास सड़क परियोजनाओं के लिए धन की कोई कमी नहीं है।

उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि ये सारी सड़कें बनाने के बाद हम असम के राष्ट्रीय राजमार्ग को अमेरिका के बराबर बना देंगे। उन्होंने कहा कि रिंग रोड के अलावा सरकार ब्रह्मपुत्र नदी के नीचे डिब्रूगढ़ में 12,000 करोड़ रुपए की लागत से एक सुरंग बना रही है, जिसे मंजूरी मिलने की प्रक्रिया चल रही है। असम में हाइवे नेटवर्क से पूरा परिदृश्य बदल जाएगा। इससे राज्य में जहां निवेश आएगा, वहीं रोजगार सृजन और समृद्धि भी बढ़ेगी। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के ऊपर एलिवेटेड राजमार्ग के बारे में उन्होंने कहा कि इसके लिए धन की कोई कमी नहीं है। कैबिनेट की मंजूरी मिलते ही काम शुरू हो जाएगा। -शेष पृष्ठ दो पर

अल्फा ने असम में *बिहार दिवस* मनाने का विरोध किया

गुवाहाटी। पूर्वी असम के तिनसुकिया में भाजपा द्वारा *बिहार दिवस* आयोजित करने के कथित कदम से प्रतिबंधित उग्रवादी समूह यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट ऑफ असम (अल्फा) के परेश बरुआ के नेतृत्व वाले गुट और अन्य नाराज हो गए हैं। अल्फा ने चेतावनी दी कि वह इस कार्यक्रम को बर्दाश्त नहीं करेगा तथा आयोजकों से कहा कि वे इसे रद्द करें अन्यथा गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहें। संगठन ने कहा कि भाजपा विधायक सुरेन फुकन और संजय किशन सहित कुछ लोगों के संरक्षण में 22 मार्च को तिनसुकिया में बिहार दिवस मनाने की तैयारी की जा रही थी। अल्फा ने एक बयान में कहा कि यह स्वदेशी लोगों की संस्कृति, विरासत और गौरव पर हमला है। विपक्षी पार्टी रायजोर दल ने इस कदम का विरोध किया और इसे भाजपा की वोट बैंक की राजनीति से जोड़ा। रायजोर दल के प्रमुख और विधायक अखिल गोगोई ने कहा कि हम भाजपा और भाजपा नीत -शेष पृष्ठ दो पर

राशन कार्ड पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्यों को सुनाई खरी-खरी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि जब राज्यों से विकास सूचकांक बताने के लिए कहा गया तो उन्होंने प्रति व्यक्ति वृद्धि दर ऊंची दिखाई, लेकिन जब सब्सिडी की बात आई तो उन्होंने दावा किया कि उनकी 75 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) है। अदालत ने कहा कि सब्सिडी का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचने चाहिए। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने कहा कि हमारी चिंता यह है कि क्या गरीबों को मिलने वाले लाभ उन लोगों तक पहुंच रहे हैं जो इसके हकदार नहीं हैं? राशन कार्ड अब लोकप्रियता का कार्ड बन गया है। पीठ ने कहा कि ये राज्य सिर्फ इतना -शेष पृष्ठ दो पर

यूएन के सौ अफसरों पर मदद के नाम पर रेप का आरोप, यूएन ने खुद किया खुलासा

संरा। संयुक्त राष्ट्र यानी यूएन को दुनिया की सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली संस्था माना जाता है। जो दुनिया भर में न्याय, शांति और सुरक्षा की बात करती है। जब भी किसी देश में संघर्ष की स्थिति पैदा होती है या लोगों को मानवीय मदद की जरूरत होती है, यूएन अपने शांति मिशन वहां तैनात करता है। लेकिन अब, एक चौंकाने वाली रिपोर्ट ने इसी संस्था की छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024 में संयुक्त राष्ट्र के शांति मिशनों और राजनीतिक अभियानों से जुड़े 100 से ज्यादा यौन शोषण और दुराचार के मामले सामने आए हैं। ये आंकड़ा बेहद चिंताजनक है क्योंकि पिछले 10 सालों में यह तीसरी बार है जब ऐसे मामलों की संख्या 100 से ज्यादा पहुंची है। खुद संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस जानकारी को साझा किया है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि 2024 में शोषण और रेप के मामलों में 125 पीड़ितों की पहचान हुई है। जिनमें 98 वयस्क और 27 बच्चे शामिल हैं। हालांकि यह संख्या 2023 में दर्ज 145 पीड़ितों से -शेष पृष्ठ दो पर

एकजुट रहें और ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करें : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोगों से आह्वान किया है कि वे हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखें, एकजुट रहें, ईमानदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में निडरता से आगे बढ़ें, जो मेजर बॉब खाथिंग के मूल सिद्धांत थे। उन्होंने कहा कि मेजर बॉब खाथिंग एक असाधारण व्यक्ति थे, जिन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र और राष्ट्रीय सुरक्षा में अमूल्य योगदान दिया। रक्षा मंत्री बुधवार को दिल्ली कैंट में भारतीय सेना, असम राइफल्स और यूनाइटेड सर्विसेज इंस्टीट्यूशन ऑफ इंडिया (यूएसआई) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित मेजर बॉब खाथिंग स्मारक कार्यक्रम के पांचवें संस्करण -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

नागपुर हिंसा : एफआईआर में खुलासा–

दंगाइयों ने महिला पुलिसकर्मियों के कपड़े फाड़ने की कोशिश की, पेट्रोल बम फेंके

नागपुर। नागपुर हिंसा के दौरान दंगाइयों की भीड़ ने कुछ महिला पुलिसकर्मियों के कपड़े फाड़ने की कोशिश की और पुलिसकर्मियों पर पत्थर और पेट्रोल बम फेंके। नागपुर हिंसा में दर्ज हुई एफआईआर में यह खुलासा हुआ है। नागपुर में बीते सोमवार को उस वक्त हिंसा भड़क गई थी, जब विश्व हिंदू परिषद ने मुगल बादशाह औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान अफवाह फैली कि प्रदर्शन के दौरान एक धार्मिक ग्रंथ को जलाया गया। जिससे हिंसा भड़क गई। हिंसा सोमवार शाम करीब साढ़े सात बजे नागपुर के चिटनिस पार्क के महाल इलाके में शुरू हुई। इस दौरान पुलिस पर दंगाइयों की भीड़ ने पथराव कर दिया और पेट्रोल बम भी फेंके गए। दर्जनों वाहनों में आग लगा दी गई। पुलिस ने बताया कि हिंसा के मामले में पांच एफआईआर दर्ज की गई हैं। इनमें से गणेशपेठ पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में कहा गया है कि कुछ लोगों ने भलदारपुरा चौक पर मौजूद पुलिसकर्मियों पर हमला किया। इस दौरान पुलिसकर्मियों पर पेट्रोल बम और पत्थर फेंके गए। एफआईआर के अनुसार, अंधेरे का फायदा उठाकर भीड़ ने एक महिला पुलिसकर्मी को छूने और उसकी वर्दी फाड़ने की कोशिश की। भीड़ ने अन्य महिला पुलिसकर्मियों को गालियां दीं और आपत्तिजनक टिप्पणियां की। दंगाइयों ने महिला पुलिसकर्मियों को गलत इशारे भी किए। हिंसा के बाद हालात तनावपूर्ण लेकिन शांत बने हुए हैं। साथ ही शहर के संवेदनशील इलाकों में कर्फ्यू जारी है। संवेदनशील इलाकों में 2,000 से अधिक सशस्त्र पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इसी तरह, त्वरित प्रतिक्रिया दल और दंगा नियंत्रण पुलिस को एक डीसीपी–रैंक अधिकारी के नेतृत्व में गश्त पर तैनात किया गया है।

दोषियों को कब्र से भी खोद निकालेंगे : सीएम फडणवीस

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्य विधानसभा को संबोधित करते हुए कानून व्यवस्था की स्थिति और नागपुर में हाल ही में हुई हिंसा से जुड़े सवालों का जवाब दिया। प्रशासन के रुख को स्पष्ट करते हुए उन्होंने आश्वासन दिया कि जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री फडणवीस ने दोहराया कि पुलिस आयुक्त (सीपी) ने कहा था कि जांच जारी है और अभी तक कोई अंतिम निष्कर्ष नहीं निकाला गया है। उन्होंने कहा कि मेरे और पुलिस आयुक्त के बयान में कोई अंतर नहीं है। हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए फडणवीस ने कहा कि जिसने भी हमला किया है, हम उसे कब्र से भी निकालेंगे और कार्रवाई करेंगे। इस बात पर जोर देते हुए कि नागपुर दशकों से शांतिपूर्ण बना हुआ है, मुख्यमंत्री ने कहा कि 1992 से नागपुर में कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ है। कुछ लोगों ने इस बार जानबूझकर हिंसा भड़काने की कोशिश की। अफवाहों को खारिज करते हुए फडणवीस ने स्पष्ट किया, कोई धार्मिक ग्रंथ आयातित या जलाया नहीं गया। जानबूझकर गलत सूचना फैलाई गई कि एक पवित्र ग्रंथ में आग लगा दी गई है। कानून व्यवस्था बनाए रखने में चुनौतियों को स्वीकार करते हुए सीएम ने कहा कि कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने में कई चुनौतियां हैं, लेकिन हम उनसे निपटने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। सरकार ने आश्वासन दिया है कि झूठी अफवाहें फैलाने और हिंसा भड़काने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मोटे अनाज के उत्पादक 33 किसान हुए पुरस्कृत

पूर्वी चंपारण (हिंस)। जिले के पीपराकोठी स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के अटल सभागार में पौधा किस्म और कृषक अधिकार संरक्षण विषय पर दो दिवसीय प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी बुधवार को संपन्न हुई। अतिथियों का स्वागत पुष्प गुच्छ, शाल भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केविके के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार सिंह ने किया। डीएओ मनीष कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान में हम रसायनिक खाद व उन्नत प्रभेद के बीजो का उपयोग कर उत्पादन में भले ही वृद्धि कर लिए हो, लेकिन आज भी पारम्परिक मोटे अनाज, फल, फूल एवं सब्जियों का उत्पादन हो रहा हैं जिसमें कुछ न कुछ औषधीय गुण हुआ करते हैं। उन फसलों का उत्पादन धीरे धीरे कम होने लगा। बहुत से लोग आज भी वैसे फसलों का उत्पादन किया करते हैं लेकिन इसकी जानकारी ना ही सरकार को हैं और ना ही विभाग को ही हैं और उन विलुप्त हो रहे फसलों के बढ़ावा को लेकर इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया हैं।

शोणितपुर के नाहरनी चाय बागान में लगी भयावह आग

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के रंगापाड़ा स्थित नाहरनी चाय बागान में बीती रात भयावह आग लग गई, जिससे एक घर जलकर राख हो गया। आग चाय बागान के 4 नंबर लाइन में रहने वाले पुकलु तांती के घर में लगी। इस घटना में उनकी पत्नी और छोटे बच्चे की जान बाल–बाल बची। बताया जा रहा है कि रात को बिजली न होने के कारण पुकलु तांती ने मोमबत्ती जलाई थी, जिससे आग लगने का संदेह जताया जा रहा है। आग लगने से घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत अग्निशमन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद रंगापाड़ा फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पा लिया।

बीएसएफ ने सीमा पर तस्करी का सामान किया जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। सीमा पार अपराधों के खिलाफ अभियान में एक और सफलता हासिल करते हुए, बीएसएफ गुवाहाटी फ्रंटियर के सतर्क जवानों ने तस्करी के प्रयास को विफल कर दिया। भारत–बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय सीमा पर कार्रवाई करते हुए बीएसएफ ने 586 बोतल प्रतिबंधित कफ सिरप, 18.5 किलोग्राम गांजा और अन्य प्रतिबंधित सामान जब्त किया, जिसकी कुल कीमत 2.71 लाख रुपए आंकी गई है। बीएसएफ लगातार सीमा पर तस्करी और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों ने बताया कि जब्त सामान को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए संबंधित एजेंसियों को सौंप दिया गया है।

उत्तर प्रदेश में 16 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

लखनऊ (हिंस)। उत्तर प्रदेश में बुधवार को और 16 आईपीएस अधिकारियों के तबादले कर दिए गए। इससे पहले 32 आईपीएस का स्थानांतरण हुआ था। तबादले के क्रम में अंजली शर्मा को सहायक पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर से अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर में नवीन तैनाती दी गई है।

पृष्ठ एक का शेष

पृथ्वी पर लौटी सुनीता ...

चालक दल और धरती पर मौजूद हमारी टीमों ने सभी को घर वापस लाने में कड़ी मेहनत की। नासा के ऐसे मिशन मानवता के लाभ के लिए हैं। हेग और गोरबुनोव ने 28 सितंबर, 2024 को दोपहर 1:17 बजे फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 से स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट पर उड़ान भरी थी। अगले दिन वे स्टेशन के हार्मनी मॉड्यूल के आगे की ओर वाले पोर्ट पर डॉक किए गए। सुनीता विलियम्स और विल्मोर को बोइंग के स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान और यूनाइटेड लॉन्च अलायंस एटलस वी रॉकेट पर पांच जून, 2024 को स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 41 से एजेंसी के बोइंग क्रू फ्लाइट टेस्ट के हिस्से के रूप में लॉन्च किया गया था। दोनों 6 जून को अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे। बताया गया है कि सुनीता विलियम्स और विल्मोर ने अपने मिशन के दौरान 121,347,491 मील की यात्रा की। अंतरिक्ष में 286 दिन बिताए और पृथ्वी के चारों ओर 4,576 परिक्रमा पूरी की। हेग और गोरबुनोव ने अपने मिशन के दौरान 72,553,920 मील की यात्रा की, अंतरिक्ष में 171 दिन बिताए और पृथ्वी के चारों ओर 2,736 परिक्रमा पूरी कीं। हेग ने अपने दो मिशनों में अंतरिक्ष में 374 दिन और विलियम्स ने अपनी तीन उड़ानों में अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। विल्मोर ने अपनी तीन उड़ानों में अंतरिक्ष में 464 दिन बिताए हैं। सुनीता विलियम्स ने दो स्पेसवॉक किए। एक में उनके साथ विल्मोर और दूसरे में हेग शामिल थे। अंतरिक्ष में 900 घंटे से अधिक समय तक शोध के साथ 150 से अधिक अद्वितीय वैज्ञानिक प्रयोग किए गए। इस शोध में पौधों की वृद्धि और गुणवत्ता पर जांच शामिल थी, साथ ही रक्त रोगों, ऑटोइम्यून विकारों और कैंसर को संबोधित करने के लिए स्टेम सेल तकनीक की क्षमता भी शामिल थी। उन्होंने अंतरिक्ष यात्रियों को सर्कैडियन लय बनाए रखने में मदद करने के लिए प्रकाश व्यवस्था का भी परीक्षण किया। यह अध्ययन करने के लिए अंतरिक्ष स्टेशन के बाहरी हिस्से से नमूने लिए कि क्या सूक्ष्मजीव अंतरिक्ष में जीवित रह सकते हैं। भारतीय समयानुसार सुबह 3.27 बजे ऑर्बिट बर्न का प्रोसेस पूरा होने के बाद फ्लोरिडा के तट पर अंतरिक्ष परी के उतरते ही सुनीता विलियम्स के गुजरात के पैतृक गांव में जश्न शुरू हो गया। इतिहास रचकर धरती पर सकुशल वापस लौटीं सुनीता विलियम्स का स्वागत समुद्र में तैरते डॉल्फिन के झुंड ने किया। जब उनका कैप्सूल पानी में उतरा तो उनके आसपास बड़ी संख्या में डॉल्फिन थीं। इसके बाद उनको रिकवरी पोत से कैप्सूल से निकाला गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स को पत्र लिखकर भारत आने का निमंत्रण दिया है। पहली मार्च को लिखे और नासा के पूर्व अंतरिक्ष यात्री माइक मैसिमिनो के माध्यम से भेजे गए इस पत्र को केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने एक्स पर साझा किया। है। प्रधानमंत्री मोदी ने पत्र में कहा कि भले ही आप हजारों मील दूर हों, लेकिन आप हमारे दिलों के करीब हैं। भारत के लोग आपके अच्छे स्वास्थ्य और आपके मिशन में सफलता के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। आपकी वापसी के बाद हम भारत में आपसे मिलने के लिए उत्सुक हैं। भारत के लिए अपनी सबसे शानदार बेटियों में से एक की मेजबानी करना खुशी की बात होगी।

अंतरिक्ष यात्रियों की ...

अंत किया। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि धन्यवाद – यह वास्तव में मानवता के उच्चतम बिंदुओं में से एक है, धीरज और वैज्ञानिक उन्नति का एक बेहतरीन संगम। ससुनीताविलियम्स का फिर से स्वागत है। विलियम्स का भारत से संबंध है। 59 वर्षीय पूर्व अमेरिकी नौसेना कप्तान विलियम्स का जन्म मेहसाणा जिले के गुजराती पिता दीपक पांड्या और स्लोवेनियाई मां उर्सुलाइन बोनी पांड्या के घर 1965 में ओहियो में हुआ था। असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने कहा कि स्पेसएक्स कैप्सूल में सवार विल्मोर और विलियम्स की सुरक्षित वापसी प्रत्येक व्यक्ति के लिए अपार खुशी लेकर आई है। उन्होंने कहा कि उनकी यात्रा मानवीय दृढ़ता और वैज्ञानिक उत्कृष्टता को दर्शाती है। स्पेसएक्स कैप्सूल ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से प्रस्थान करने के कुछ ही घंटों बाद मैक्सिको की खाड़ी में पैराशूट से उड़ान भरी। फ्लोरिडा पैनहैंडल में तल्लाहासी के तट पर स्प्लैशडाउन हुआ, जिससे उनकी अनियोजित यात्रा समाप्त हो गई। एक घंटे के भीतर ही अंतरिक्ष यात्री अपने कैप्सूल से बाहर आ गए, कैमरों की ओर देखकर हाथ हिला रहे थे और मुस्कुरा रहे थे, जबकि उन्हें नियमित चिकित्सा जांच के लिए स्ट्रेचर पर ले जाया जा रहा था। विल्मोर और विलियम्स ने अंतरिक्ष में 286 दिन बिताए, जो प्रक्षेपण के समय की अपेक्षा 278 दिन अधिक थे। उन्होंने पृथ्वी की 4,576 बार परिक्रमा की और स्प्लैशडाउन के समय तक 121 मिलियन मील (195 मिलियन किलोमीटर) की यात्रा की।

पीएम आवास योजना...

लागू किया, जो भाजपा के चुनावी घोषणापत्र के अनुरूप था। पार्टी ने इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया। 2011 की सामाजिक–आर्थिक और जाति जनगणना (एसईसीसी) और 2018 के विशेष सर्वेक्षण के अनुसार, असम में 26,11,793 परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र लाभार्थी के रूप में चिह्नित किए गए थे। इनमें से 20,46,553 परिवारों को इस बीच घर मिल चुका था और आज के वितरण कार्यक्रम के बाद यह संख्या 24,35,091 तक पहुंच गई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अक्तूबर तक अतिरिक्त 3.8 लाख परिवारों को घर उपलब्ध कराए जाएंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो लोग अब तक लाभ से वंचित रह गए हैं, उनके लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत *आवास प्लस* सर्वेक्षण किया जाएगा, जिससे पात्र परिवारों की पहचान की जा सके। इसके अलावा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई भी पात्र व्यक्ति छूट न जाए, असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन की *सखियां* घर–घर जाकर स्वयं सहायता समूहों के साथ मिलकर जरूरतमंदों की पहचान करेंगी। मुख्यमंत्री ने उन नागरिकों से भी आग्रह किया जो पिछले सर्वेक्षणों में छूट गए थे, वे जियो–टैगिंग के माध्यम से स्वयं पंजीकरण कराकर इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। राज्य सरकार ने सभी आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों को सुरक्षित आवास प्रदान करने के उद्देश्य से अतिरिक्त 15 लाख घर बनाने की योजना बनाई है। आज की उपलब्धि भाजपा के *सबका साथ, सबका विकास* की नीति को सशक्त करती है और सामाजिक उत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होती है।

राज्य के हर हिस्से ...

में घूमने पर मिल सकता है। उन्होंने कहा कि हमने होजाई, नगांव, कछार, बोजाली और लखीमपुर में विश्वविद्यालय स्थापित किए हैं – राज्य के लगभग हर जिले में एक विश्वविद्यालय निर्माणाधीन है या हम एक विश्वविद्यालय की स्थापना पूरी कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर जिले में ब्रह्मपुत्र पर पुल बनाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालयों और मेडिकल कॉलेजों के साथ मिलकर हम ब्रह्मपुत्र नदी पर पुल बना रहे हैं। कोई भी यह अनुमान नहीं लगा सकता था कि असम इतनी तेजी से विकास करेगा। हम जल्द ही देश के विकसित राज्यों में से एक बन जाएंगे। इस बीच, माइक्रोफाइनेंस प्रोत्साहन और राहत योजना के तहत, राज्य सरकार के राहत पैकेज के माध्यम से 78,000 से अधिक उधारकर्ताओं को लाभ मिला, जिससे उनकी ऋण–योग्यता बहाल होगी और उन्हें वित्तीय स्थिरता भी मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य भर में स्कूली छात्रों के बीच 3.23 लाख से अधिक साइकिलें वितरित की गईं, साथ ही मेधावी छात्रों के लिए 48,673 स्कूटर वितरित किए गए। सीएम ने बताया कि दसवीं की परीक्षा में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले करीब 27,000 विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार दिए गए। इसके अलावा, राज्य सरकार ने 6.86 लाख आपदा प्रभावित परिवारों को उनके घरों के पुनर्निर्माण के लिए 353.67 करोड़ रुपए वितरित किए, साथ ही उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए जरूरी सामान भी मुहैया कराया।

असम में परिवहन नेटवर्क ...

इस दौरान सभापति जगदीप धनखड़ ने भी गडकरी से अनुरोध किया कि उनका जन्म हरियाणा के तिथाना गांव में हुआ और उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा भी वहीं से प्राप्त की, इसलिए इस क्षेत्र को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने पर विचार करें। इससे दिल्ली आने–जाने वाले लोगों को बहुत लाभ होगा। सभापति के इस अनुरोध पर भी गडकरी ने अत्यंत सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। सदन में नेता विपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे द्वारा गुलबर्गा–बेंगलुरु के बीच कनेक्टिविटी के बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा कि मोदी सरकार ने 2014 से कर्नाटक में बहुत काम किया है। गडकरी ने खरगे को आश्वस्त किया कि वे उन्हें कर्नाटक में किए जाने वाले कामों की सूची उपलब्ध कराएं तो वे इस पर गौर करेंगे। हालांकि, कर्नाटक में भूमि अधिग्रहण और पर्यावरण मंजूरी में समस्या रही है।

अल्फा ने असम में ...

सरकार के बिहार दिवस मनाने के फैसले का विरोध करते हैं। असम में बिहार दिवस मनाने का कोई मतलब नहीं है। हमने बिहार में असम दिवस मनाते नहीं देखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा हिंदी भाषी लोगों के वोट हासिल करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। केंद्र द्वारा नागरिकता (संशोधन) अधिनियम को लागू करने और विरोध प्रदर्शनों के दौरान असम में पांच लोगों की मौत का जिक्र करते हुए गोगोई ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस मुद्दे को कमतर करके एक बार फिर असमियों का अपमान करने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि मैं असम के मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि असम में बिहार दिवस मनाने की कोई जरूरत नहीं है। हालांकि, शर्मा ने इसका विरोध करने वालों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ऐसी मानसिकता के कारण ही लंबे समय तक असम में उद्योग नहीं आए। शर्मा ने कहा कि कई लोगों ने पूछा है कि क्या *असम दिवस* बाहर भी मनाया जाता है। मैं कहना चाहता हूं कि आजकल हर राज्य में इसे मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश और गुजरात अपने राज्यपालों की मौजूदगी में असम दिवस मनाते हैं। अगर बिहार असम दिवस मनाता है और हम बिहार दिवस मनाते हैं, तो इससे आपसी समझ और मजबूत होगी। इसलिए इस पर राजनीति करने का कोई मतलब नहीं है। असम के मुख्यमंत्री ने पूछा कि अगर यह संदेश जाएगा कि असम बिहारियों, मारवाड़ियों, गुजरातियों, तमिलों के खिलाफ है, तो असम के युवाओं को बाहर नौकरी कैसे मिलेगी? तिनसुकिया एक व्यापारिक शहर है, जहां हिंदी भाषी लोगों की बड़ी आबादी है। पूर्वी असम या ऊपरी असम भाजपा का गढ़ है। इस क्षेत्र की कई विधानसभा सीटें वर्तमान में पार्टी के पास हैं। लोकसभा चुनाव में जोरहाट सीट से कांग्रेस नेता गौरव गोगोई की जीत के बाद आगामी विधानसभा चुनावों में यह चुनौती सामने आई है।

बांग्लादेश पर प्रस्ताव ...

जिनकी समीक्षा की जाएगी। सुनील आंबेकर ने कहा कि बांग्लादेश में मौजूदा स्थिति और आरएसएस की भूमिका पर कार्यकारी समिति की बैठक में चर्चा की जाएगी और एक बार मंजूरी मिलने के बाद इसे कोर कमेटी के सामने पेश किया जाएगा। वहीं आरएसएस के शताब्दी वर्ष समारोह के बारे में उन्होंने कहा कि इस साल विजयादशमी पर संघ अपने 100 साल पूरे कर लेगा। आरएसएस नेता ने कहा कि यह आरएसएस का शताब्दी वर्ष है। इसकी शुरुआत 1925 में नागपुर में हुई थी और अब यह पूरे देश में फैल चुका है। इन तीन दिनों में आरएसएस शाखा के विस्तार और इसके लक्ष्यों पर चर्चा की जाएगी। आरएसएस ने विजयादशमी 2025 से विजयादशमी 2026 तक शताब्दी वर्ष मनाने का फैसला किया है। शताब्दी वर्ष समारोह पर एक प्रस्ताव पारित किया जाएगा, जिसे सार्वजनिक किया जाएगा। इस दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, संगठन के महासचिव दत्तात्रेय होसबले, आरएसएस के शीर्ष पदाधिकारी कृष्ण गोपाल, मुकुंद, अरुण कुमार, राम दत्त, आलोक कुमार, अतुल लिमये भी मौजूद रहेंगे। सुनील अंबेकर ने आगे बताया कि कि राष्ट्रीय मजदूर संघ के हिरण्मय पंड्या और बी सुरेंद्रन, राष्ट्रीय सेविका समिति के शांतक्का, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और महासचिव बीएल संतोष; वीएचपी के आलोक कुमार और मिलिंद परांडे समेत आरएसएस से जुड़े 32 संगठनों के प्रमुख शामिल होंगे।

राशन कार्ड पर सुप्रीम...

कहते हैं कि हमने इतने कार्ड जारी किए हैं। कुछ राज्य ऐसे हैं जो जब अपना विकास दिखाना चाहते हैं तो कहते हैं कि हमारी प्रति व्यक्ति आय बढ़ रही है। फिर जब हम बीपीएल की बात करते हैं तो वे कहते हैं कि 75 प्रतिशत आबादी बीपीएल है। इन तथ्यों को कैसे जोड़ा जा सकता है? विरोधाभास अंतर्निहित है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे। यह केस कोविड–19 महामारी के दौरान प्रवासी कामगारों की परेशानियों को दूर करने के लिए शुरू किए गए एक स्वतः संज्ञान मामले से संबंधित है। कुछ हस्तक्षेपकर्ताओं की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह विसंगति लोगों की आय में असमानताओं से उपजी है। उन्होंने कहा कि मुट्ठीभर लोग हैं, जिनके पास अन्य आबादी की तुलना में बहुत अधिक संपत्ति है और प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा राज्य की कुल आय का औसत है। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, जबकि गरीब गरीब ही बने हुए हैं। भूषण ने कहा कि सरकार के ई–श्रम पोर्टल पर पंजीकृत गरीब प्रवासी कामगारों को मुफ्त राशन दिए जाने की जरूरत है और यह आंकड़ा लभगग आठ करोड़ है। जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि हमें उम्मीद है कि राशन कार्ड जारी करने में राजनीतिक तत्व शामिल नहीं होंगे। मैं अपनी जड़ों नहीं कटा हूं। मैं हमेशा गरीबों की दुर्दशा के बारे में जानना चाहता हूं। अभी भी ऐसे परिवार हैं जो गरीब हैं। भूषण ने कहा कि केंद्र ने 2021 की जनगणना नहीं कराई और 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर काम कर रही है। इसके परिणामस्वरूप मुफ्त राशन की जरूरत वाले करीब 10 करोड़ लोग बीपीएल श्रेणी से बाहर रह गए। जबकि केंद्र की ओर से एएसजी ऐश्वर्य भाटी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत करीब 81.35 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है और इसी तरह की एक अन्य योजना में 11 करोड़ अन्य लोग शामिल हैं। पीठ ने मामले को स्थगित कर दिया और केंद्र से गरीबों को वितरित मुफ्त राशन की स्थिति पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा।

यूएन के सौ अफसरों ...

कम है, मगर फिर भी चिंता का विषय बनी हुई है। रिपोर्ट की मानें तो कुल 102 आरोपों में से 82 फीसदी सिर्फ दो यूएन शांति मिशनों से संबंधित हैं। पहला है– कांगो जहां 44 मामले दर्ज किए गए। और दूसरा है– सेंट्रल अफ्रीकन रिपब्लिक जहां 40 मामले दर्ज हुए। इन दोनों देशों में तैनात यूएन शांति सैनिकों पर पहले भी यौन शोषण और बाल यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लग चुके हैं। इसके अलावा, दक्षिण सूडान, लेबनान, हैती, कोलंबिया और अफगानिस्तान में भी यूएन मिशनों में यौन दुराचार के मामले रिपोर्ट किए गए हैं। रिपोर्ट में जो सबसे चौंकाने वाले खुलासों में से एक ये है कि 65 महिलाओं ने यह दावा किया है कि वे बलात्कार की शिकार हुईं और उन्होंने यूएन सैनिकों के बच्चों को जन्म दिया। इन महिलाओं ने अब बच्चों के पालन–पोषण के लिए सहायता और पिता की पहचान की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2006 से अब तक लगभग 750 पितृत्व और बाल सहायता से जुड़े मामले दर्ज किए जा चुके हैं, लेकिन इनमें से 500 से अधिक मामलों में अभी तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि यूएन के एजेंसियों, फंड्स और कार्यक्रमों से जुड़े स्टाफ के खिलाफ 190 यौन शोषण के आरोप दर्ज किए गए हैं। हालांकि यह संख्या 2023 में दर्ज 284 मामलों से कम है, लेकिन यह अभी भी चिंताजनक है। इसके अलावा, यूएन कार्यक्रमों के तहत काम करने वाले गैर–यूएन कर्मियों पर 382 आरोप लगे हैं। यूएन ने अपने कर्मचारियों के लिए यौन दुराचार से बचने की ट्रेनिंग को लागू किया है, लेकिन 2024 में किए गए एक सर्वे में 64,585 यूएन कर्मचारियों में से 3 ।65त्न यानी 2,360 कर्मचारी ने ये बात मानी है कि पैसे देकर यौन संबंध बनाना जायज है। वहीं, 1त्न यानी 555 कर्मचारियों ने कहा कि बच्चों के साथ यौन गतिविधि में शामिल होना ठीक है। यह आंकड़े यूएन के लिए बेहद शर्मनाक हैं और इसकी नीति–निर्धारण पर गंभीर सवाल उठाते हैं। इस रिपोर्ट ने यूएन नेतृत्व पर भी बढ़ रहे अविश्वास को भी उजागर किया है। 2024 के सर्वे में 6 प्रतिशत कर्मचारियों यानी 3,700 ने कहा कि उन्हें यूएन नेताओं पर यौन शोषण और दुराचार से जुड़े मामलों को ठीक से संभालने की क्षमता पर भरोसा नहीं है। यह आंकड़ा 2023 में 3 प्रतिशत था, यानी एक साल में यह दोगुना हो गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह बढ़ता अविश्वास साफ संकेत है कि यूएन के वरिष्ठ अधिकारियों को अपने नेतृत्व को और अधिक प्रभावशाली और जवाबदेह बनाने की काफी जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने इस गंभीर मुद्दे को सुलझाने के लिए सदस्य देशों से अपील की है कि वे अपने सैनिकों और कर्मियों को जवाबदेह ठहराएं। उन्होंने कहा कि यूएन नेतृत्व को व्यक्तिगत रूप से इस मुद्दे की जिम्मेदारी लेनी होगी और यह सुनिश्चित करना होगा कि यौन शोषण के मामलों को गंभीरता से लिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन बच्चों का जन्म इस तरह के मामलों से हुआ है, उन्हें उनके सभी अधिकार दिए जाने चाहिए, जिसमें नागरिकता भी शामिल है।

एकजुट रहें और ...

को संबोधित कर रहे थे। मेजर बॉब खाथिंग को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत भाग्यशाली है कि यह ऐसे प्रमुख व्यक्तित्वों का घर है, जिनके लिए राष्ट्र की सुरक्षा, अखंडता और संप्रभुता सर्वोपरि है। उन्होंने मेजर खाथिंग को भारत का महान सपूत बताया, जिन्होंने युद्ध के मैदान में अपनी बहादुरी और कूटनीति के क्षेत्र में कौशल के माध्यम से देश के इतिहास में एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि ऐसे महान व्यक्तित्वों के आदर्शों और सिद्धांतों को अपनाना लोगों की जिम्मेदारी है। रक्षा मंत्री ने न केवल तवांग बल्कि पूरे उत्तर–पूर्व क्षेत्र को एकीकृत, विकसित और पुनर्निर्माण करने में मेजर खाथिंग की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि मेजर बॉब खाथिंग ने राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने उत्तर–पूर्व के लिए जो काम किया, वह सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर किए गए काम के समान है। रक्षा मंत्री ने कहा कि मेजर बॉब खाथिंग ने एक भी गोली चलाए बिना तवांग को भारत में कुशलतापूर्वक एकीकृत किया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ऐसे क्रांतिकारियों के सिद्धांतों का पालन करती है। उन्होंने कहा कि हमने एक भी गोली चलाए बिना सबसे बड़ी बाधा– अनुच्छेद 370 – को हटाकर जम्मू–कश्मीर का भारत में पूर्ण विलय किया। सभी हितधारकों को ध्यान में रखते हुए पूरी सुरक्षा के साथ शांतिपूर्वक काम किया गया। राजनाथ सिंह ने मेजर खाथिंग की प्रशासनिक दक्षता, विशेष रूप से सशस्त्र सीमा बल और नगालैंड सशस्त्र पुलिस के गठन और ऐसे अन्य सुधारों में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसी तरह सरकार प्रशासनिक सुधारों पर ध्यान केंद्रित कर रही है। उन्होंने कहा कि *न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन* और *सुशासन* के माध्यम से हमने लोगों और सरकार के बीच की खाई को कम किया है। *डिजिटल इंडिया* और *जन धन, आधार, मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी* के माध्यम से आज प्रशासन अधिक जन–उन्मुख हो गया है। रक्षा मंत्री ने बताया कि सरकार की विदेश नीति मेजर खाथिंग जैसे व्यक्तित्वों के कूटनीतिक कौशल पर आधारित है। उन्होंने कहा कि आज भारत बहुध्रुवीय विश्व में व्याप्त अनिश्चितताओं के बीच अपनी हार्ड पावर और सॉफ्ट पावर के बीच संतुलन बनाए हुए है। यह बहुत गर्व की बात है कि भारत ने अपनी वैश्विक स्थिति को मजबूत किया है। दुनिया के सामने एक नया, मजबूत और संगठित भारत उभरा है। एक समय था जब अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत को गंभीरता से नहीं लिया जाता था लेकिन आज जब हम बोलते हैं तो दुनिया सुनती है। यह मेजर खाथिंग के आदर्शों से प्रेरित है। राजनाथ सिंह ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि मेजर खाथिंग जैसे व्यक्तित्वों से प्राप्त संगठनात्मक कौशल के कारण भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने 2047 तक भारत को विकसित भारत में बदलने के लिए संगठित रहने की आवश्यकता पर बल दिया।

संसद को फ्रीबीज पर ...

प्रलोभन बन गए हैं और इसके बाद सत्ता में आई सरकारों को इतनी असहज स्थिति का सामना करना पड़ा कि वे अपनी सोच पर पुनर्विचार करना चाहती थीं। एक राष्ट्रीय नीति की अत्यंत आवश्यकता है ताकि सरकार के सभी निवेश किसी भी रूप में एक संरचित तरीके से बड़े हित में उपयोग किए जाएं। राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान अपनी टिप्पणी में धनखड़ ने कहा कि हमारे संविधान में विधायिका, सांसदों, विधायकों के लिए प्रावधान किया गया था, लेकिन एक समान तंत्र नहीं था। इसलिए, आप देखेंगे कि कई राज्यों में विधानसभाएं सदस्यों को सांसदों की तुलना में अधिक भत्ते और वेतन देती हैं। यदि एक राज्य में किसी को एक रुपया मिलता है, तो दूसरे राज्य में पेंशन 10 गुना हो सकती है। इसलिए ये ऐसे मुद्दे हैं जिन्हें कानून के माध्यम से हल किया जा सकता है और इससे राजनेताओं, सरकार, कार्यपालिका को लाभ होगा और यह उच्च गुणवत्ता वाले निवेश को भी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि यदि कृषि क्षेत्र जैसी आवश्यकताओं के लिए सब्सिडी की जरूरत है, तो इसे सीधे प्रदान किया जाना चाहिए और यही विकसित देशों में प्रचलित है। मैंने अमेरिकी प्रणाली की जांच की। अमेरिका में हमारे देश की तुलना में 1/5वां कृषि परिवार है, लेकिन वहां औसत कृषि परिवार की आय अमेरिका के सामान्य परिवार की आय से अधिक है और इसका कारण यह है कि वहां किसानों को दी जाने वाली सब्सिडी सीधी, पारदर्शी और बिना किसी बिचौलिए के दी जाती है।

गाजा की स्थिति...

क्षेत्र गाजा पर अबतक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया है। इजरायल के प्रधानमंत्री का कहना है कि बंधकों को छुड़ाने के लिए हमले और तेज होंगे। न्यूज रिपोर्टों के मुताबिक इजरायल के मंगलवार को गाजा पर किए गए हमले में 400 से अधिक लोग मारे गए हैं। इसमें 130 बच्चे भी थे। प्रियंका गांधी ने इजरायली हमले को बताया नरसंहारकांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने 400 लोगों की मौत को निर्मम हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि इससे स्पष्ट है कि इजरायल सरकार के लिए मानवता का कोई अर्थ नहीं है। यह इजरायल की अंतर्निहित कमजोरी और सच्चाई का सामना करने में असमर्थता दर्शाता है। प्रियंका ने कहा कि भले ही पश्चिमी शक्तियां फिलिस्तीनी लोगों के नरसंहार में उनके गठजोड़ को स्वीकार करें या नहीं लेकिन दुनियाभर के सजग लोग इसे देख रहे हैं। वहीं इजरायल अपराधिक कृत्यों से साबित कर रहा है कि वह कितना बड़ा कायर है। दूसरी तरफ फिलिस्तीनी लोगों का साहस प्रबल होता जा रहा है। इस अकल्पनीय दुखद स्थिति में भी वे मजबूत बने हुए हैं।

बिहार राज्य स्थापना दिवस 22 मार्च को *एक भारत श्रेष्ठ भारत* के तहत राष्ट्रीय स्तर पर मनाया जाएगा : दिलीप सैकिया

गुवाहाटी (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने मीडिया में आ रही उन खबरों का संज्ञान लिया है, जिनमें कहा गया था कि 22 मार्च को तिनसुकिया जिले में भाजपा असम प्रदेश की पहल पर *बिहार राज्य स्थापना दिवस* मनाया जाएगा। इस संबंध में अध्यक्ष सैकिया ने स्पष्ट किया कि एनडीए सरकार, भारतीय जनता पार्टी एवं सहयोगी दलों द्वारा बीते वर्षों से *एक भारत श्रेष्ठ भारत स्नेह मिलन उत्सव* के तहत विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस मनाए जा रहे हैं। इस पहल का उद्देश्य देश में एकता, सद्भावना एवं विविधता के बंधन को मजबूत करना है। दिल्ली, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, मिजोरम और नगालैंड सहित कई राज्यों में *असम दिवस* मनाया जा चुका है। इसी तरह, असम में भी मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा, गुजरात, महाराष्ट्र और सिक्किम जैसे राज्यों के स्थापना दिवस मनाए गए हैं। अध्यक्ष सैकिया ने स्पष्ट किया कि विभिन्न संगठनों के अनुरोध पर तिनसुकिया में प्रस्तावित *बिहार राज्य स्थापना दिवस* कार्यक्रम रद्द कर दिया गया है। हालांकि, उन्होंने दोहराया कि ऐसे स्थापना दिवस समारोह राष्ट्र की एकता और सौहार्द को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अध्यक्ष सैकिया ने यह भी कहा कि जिस प्रकार असम का *असम दिवस* हर साल 2 दिसंबर को अन्य राज्यों में सम्मान के साथ मनाया जाता है, उसी प्रकार बिहार के स्थापना दिवस का भी आदर और स्वीकृति होनी चाहिए। उन्होंने इस अवसर को राजनीतिक दृष्टिकोण की बजाय सांस्कृतिक दृष्टिकोण से देखने की अपील की। इसके अलावा, अध्यक्ष सैकिया ने बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर पर प्रकाश डालते हुए बोधगया के 500 वर्ष पुराने आध्यात्मिक महत्व, भगवान महावीर और गौतम बुद्ध की साधना स्थली, तथा प्राचीन नालंदा विश्वविद्यालय का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय कभी 70 विषयों में 10,000 से अधिक छात्रों को शिक्षित करता था। ये ऐतिहासिक उदाहरण बिहार, असम और अन्य भारतीय राज्यों के बीच प्राचीन समय से चले आ रहे सांस्कृतिक संबंधों को दर्शाते हैं, जो आज भी कायम हैं और भविष्य में भी रहेंगे। अध्यक्ष सैकिया ने जनता से अनुरोध किया कि वे इन महत्वपूर्ण पहलुओं पर खुली सोच के साथ विचार करें।

नामरूप उर्वरक संयंत्र के चौथे यूनिट को केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा असम प्रदेश ने केंद्रीय कैबिनेट द्वारा नामरूप उर्वरक संयंत्र के चौथे यूनिट की स्थापना को मंजूरी देने के निर्णय का स्वागत किया है। इसे असम की जनता की लंबे समय से चली आ रही मांग को पूरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि 10,601 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह नया संयंत्र असम ही नहीं, बल्कि पूरे पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 12 लाख मीट्रिक टन उर्वरक होगी, जिससे राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर सृजित होंगे। सैकिया ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की *लुक ईस्ट पॉलिसी* से *एक्ट ईस्ट पॉलिसी* की ओर बढ़ते रुख को रेखांकित करते हुए कहा कि यह नया संयंत्र भविष्य में दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों को निर्यात का मार्ग भी प्रशस्त कर सकता है, जिससे असम की आर्थिक प्रगति को नया आयाम मिलेगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि इस परियोजना की स्थापना भाजपा नीत केंद्र सरकार की असम और पूर्वोत्तर के विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह परियोजना राज्य के लिए एक परिवर्तनकारी पहल साबित होगी।

पानबाजार पुलिस ने छापेमारी कर महिला से 32.44 ग्राम हेरोइन बरामद की

गुवाहाटी (हिंस)। इनपुट के आधार पर पानबाजार पुलिस ने ओल्ड पुलिस रिजर्व के पास छापेमारी कर एक महिला को गिरफ्तार किया। महिला की पहचान सजिदा बेगम (26) के रूप में हुई है, जो एनडीपीएस मामले में पहले से न्यायिक हिरासत में चल रहे रिजाक अली की पत्नी है। पुलिस ने आज बताया है कि महिला के पास से एक काले पॉलीथीन बैग में रखे 24 प्लास्टिक वायल बरामद किए गए, जिनमें 32.44 ग्राम संदिग्ध हेरोइन भरी हुई थी। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिला का स्थायी पता तुलसीबिल, थाना तुलसीबिल, जिला कोकराझाड़ है, जबकि वह अस्थायी रूप से ओवरब्रिज के पास पानबाजार में रह रही थी। असम पुलिस के सीपीआरओ के अनुसार, मामले की जांच जारी है।

एनएफआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ ने महिला रेल कर्मचारियों को उत्कृष्ट योगदान के लिए किया सम्मानित किया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) महिला कल्याण संगठन (एनएफआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ) ने पूसीरे की महिला कर्मचारियों के असाधारण योगदान को मान्यता देने और उनका सम्मान करने के लिए एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम बुधवार को मालीगांव के रंग भवन में आयोजित किया गया, जिसमें पूसीरे मुख्यालय और इसके मंडलों में कार्यरत महिलाओं के समर्पण, कड़ी मेहनत और उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए रेलवे कर्मियों, गणमान्य व्यक्तियों और सम्मानित अतिथियों को एक मंच पर लाया गया। *महिलाओं को सशक्त करना, मानवता को सशक्त बनाना* विषय के तहत इस कार्यक्रम में रेलवे नेटवर्क के अधीन प्रगति को आगे बढ़ाने, नवाचार को बढ़ावा प्रदान करने और परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित किया गया। समारोह में बतौर मुख्य अतिथि पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव उपस्थित थे। समारोह को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने उन सभी महिला कर्मचारियों के योगदान की सराहना की, जो खेल, इंजीनियरिंग अनुरक्षण, ट्रेन परिचालन, स्वास्थ्य सेवा आदि के क्षेत्र में समर्पित होकर सेवा दे रही हैं। महाप्रबंधक ने कहा कि पूसी रेलवे ने विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी पर विशेष जोर दिया है। सम्मान समारोह के दौरान एनएफआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ की अध्यक्ष शालिनी श्रीवास्तव ने महिला कर्मचारियों को उनके समर्पण और प्रोफेशनलिजम के लिए सम्मानित किया। उन्होंने उनके योगदान की प्रशंसा की और सशक्तिकरण, समान अवसरों और पेशेवर विकास के लिए संगठन के प्रतिबद्धता की पुष्टि की। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे ने महिला सशक्तिकरण में एक बड़ा कदम उठाया है। 8 मार्च, 2025 को कोचबिहार रेलवे स्टेशन को पूरी तरह से महिला संचालित स्टेशन घोषित किया गया। सुरक्षा बढ़ाने के लिए, आरपीएफ महिला कर्मियों की *मेरी सहेली* के 15 स्कॉयड तैनात किए गए हैं और 46 स्टेशनों पर अब सीसीटीवी निगरानी की सुविधा है। महिलाएं तकनीकी भूमिकाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। गुवाहाटी कोच मेंटेनेंस डिपो में एक पूर्ण महिला कोच मेंटेनेंस टीम और डिब्रूगढ़ कारखाना में नोमिता सोनोवाल और अरफिन आरा बेगम जैसी *एफ* लीग तकनीशियन उन्नत मशीनरी में महारत हासिल कर रही हैं। रेलवे में ये प्रयास समावेशिता और महिलाओं के नेतृत्व के प्रति पूसी रेलवे की प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर पूसीरे की महिला कर्मचारियों को निरंतर अच्छी पहचान मिल रही है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रेल संग्रहालय में आरडब्ल्यूडब्ल्यूसीओ के प्रतिष्ठित सम्मान समारोह में वरिष्ठ तकनीशियन नूपुर तपादर को उत्कृष्ट सेवा करने वाली अन्य 32 महिला रेल कर्मचारियों के साथ सम्मानित किया गया। यह सम्मान भारतीय रेलवे में महिलाओं के बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है और पूसीरे की महिला कार्यबल को सशक्त बनाने के प्रति अटूट प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। 54,829 कर्मचारियों के कुल कार्यबल के साथ, पूसी रेलवे में 5,483 महिलाएं कार्यरत है, जो इसके कार्यबल का 10 फीसदी है। यह संख्या निरंतर बढ़ रही है क्योंकि अधिक से अधिक महिलाएं विभिन्न रेलवे परिचालनों के महत्वपूर्ण भूमिकाओं में कदम रख रही हैं। संगठन का उद्देश्य इन महिलाओं को सम्मानित कर रेलवे प्रणाली के कुशल कामकाज और सफलता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करना है। इस पहल के माध्यम से, एनएफआरडब्ल्यूडब्ल्यूओ एक समावेशी और सहायक कार्य वातावरण का सृजन कर अपने समर्पण को निरंतर प्रमाणित कर रही है, जहां महिलाएं कामयाब हो सकती हैं, योगदान दे सकती हैं और नेतृत्व कर सकती हैं।

ड्रग्स के विरोध में जागरूकता रैली

रंगिया (विभास)। अखिल असम छात्र संघ के आह्वान पर तथा असम उन्नति सभा और असम सेना के सहयोग से कामरूप जिला छात्र संघ द्वारा मंगलवार को रंगिया में ड्रग्स के विरोध में जागरूकता रैली निकाली गई। अखिल असम छात्र संघ के कार्यालय सचिव भवज्योति डेका, अखिल कामरूप जिला छात्र संघ के मुख्य सचिव तौफीकुर रहमान, असम उन्नति सभा के सलाहकार डम्बरू कलिता, असम सेना के आह्वायक नंदेश्वर दास तथा कामालूर जमान के नेतृत्व में रंगिया शहीद भवन प्रांगण से निकाली गई यह रैली रंगिया नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई पुन: शहीद भवन प्रांगण में आकर समाप्त की गई। इस मौके पर प्रदर्शनकारियों ने ड्रग्स मुक्त असम का निर्माण करे, नशामुक्त असम का निर्माण करे, ड्रग्स व्यापारियों को गिरफ्तार करे आदि नारे लगाए। कार्यक्रम के दौरान असम छात्र संघ के कार्यालय सचिव भवज्योति डेका ने कहा कि असम को ड्रग्स मुक्त बनाने के लिए सरकार द्वारा ड्रग्स व्यापारियों को गिरफ्तार करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अबतक ड्रग्स के चंगुल में पड़कर कई परिवार बर्बाद हो गए है। उन्होंने सरकार से ड्रग डीलरों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। वहीं कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कामरूप जिला छात्र संघ के मुख्य सचिव तौफीकुर रहमान ने कहा कि असम को ड्रग्स मुक्त बनाने के लिए ड्रग्स से जुड़े गिरोह को शीघ्र ही पकड़ना चाहिए। सभी छोटे बड़े ड्रग्स व्यापारियों को पकड़ने से ही असम ड्रग्स मुक्त बन सकता है। विरोध कार्यक्रम में असम उन्नति सभा, कामरूप जिला समिति के सलाहकार ननीधर कलिता, उपाध्यक्ष उमेश कलिता, जिला छात्र संघ के सलाहकार गोलोक राजवंशी, उपाध्यक्ष बुबुल अली मौजूद रहे।

असम में बिहार दिवस मनाने को लेकर डॉ. शर्मा का खुलासा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने असम में बिहार दिवस मनाने का पक्ष लेते हुए कहा कि असम दिवस की मान्यता केवल असम तक सीमित नहीं है, बल्कि उत्तर प्रदेश, बिहार, कर्नाटक और गुजरात समेत कई राज्यों में इसे मनाया जाता है। उन्होंने इस मुद्दे पर हो रही आलोचनाओं को खारिज करते हुए कहा कि असम दिवस, जो चुकाफा के आगमन की स्मृति में मनाया जाता है, भारत के अलावा श्रीलंका में भी आयोजित किया जाता है। उन्होंने यह भी बताया कि इसे आधिकारिक मान्यता प्राप्त है और विभिन्न राज्यों के राज्यपाल इस समारोह में भाग लेते हैं। मुख्यमंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि बिहार के राजभवन में असम दिवस मनाया जा सकता है, तो असम में बिहार दिवस मनाने का विरोध करने का कोई औचित्य नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि असम दिवस केवल राज्य के जिलों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसकी राष्ट्रीय पहचान भी है, जो अन्य राज्यों के सांस्कृतिक आयोजनों को स्वीकार करने का आधार बनता है। शर्मा ने यह भी चेतावनी दी कि ऐसे अनावश्यक विवाद असम में निवेश को प्रभावित कर सकते हैं। उन्होंने आर्थिक प्रगति और सांस्कृतिक सद्भाव पर ध्यान केंद्रित करने की अपील की। मुख्यमंत्री की यह प्रतिक्रिया राइजर दल सहित अन्य राजनीतिक दलों की आलोचना के बाद आई है, जिन्होंने भाजपा सरकार पर असम की पहचान को कमजोर करने का आरोप लगाया है। विपक्षी दलों का मानना है कि बिहार दिवस मनाने से असम की सांस्कृतिक विशिष्टता प्रभावित हो सकती है, जबकि शर्मा का कहना है कि इस तरह के सांस्कृतिक आदान-प्रदान को विभाजन के बजाय एकता की दिशा में उठाए गए कदम के रूप में देखा जाना चाहिए।

चेगां के बाघमराचर में मंडल कांग्रेस की पहल पर सामुदायिक इफ्तार पार्टी का आयोजन

नगरबेड़ा (विभास)। बरपेटा जिले के चेंगा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बाघमाराचर की क्षेत्रीय मस्जिद परिसर पर आयोजित आज बाघमारचर की मंडल कांग्रेस की पहल पर और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के सहयोग से किया गया। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक के अध्यक्ष सुलेमान खान भी पार्टी में मौजूद थे। असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के सचिव प्रमुख व्यवसायी, समाजसेवी और युवा नेता मिर्जा उस्मान गोनी की देखरेख में आयोजित इफ्तार पार्टी में असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष सलमान खान ने पत्रकारों के एक सवाल के जवाब में कहा कि अगर आलाकमान आने वाले दिनों में इस पर विचार करता है तो वह चेंगा निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए काम करेगा। उन्होंने कहा कि चेंगा निर्वाचन क्षेत्र में सड़कों, शिक्षा, स्वास्थ्य आदि पर अभी भी बहुत काम किया जाना बाकी है। इफ्तार पार्टी की पूर्व संध्या पर विश्व शांति बनाए रखने के लिए एक सामूहिक जुलूस आयोजित किया जाता है।

कोकराझाड़ जेल से कैदी फरार, जेल अधीक्षक निलंबित

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिला कारागार से पॉक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराया गया एक कैदी फरार हो गया। पुलिस ने बुधवार को बताया कि फरार कैदी की पहचान चिरांग जिले के नंबर 1 दौखनागर निवासी हजरत अली के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि जेल कॉलोनी में सफाई अभियान के दौरान सुरक्षा में खामी का फायदा उठाकर हजरत अली भागने में सफल रहा। उल्लेखनीय है कि हजरत अली पॉक्सो एक्ट के तहत आजीवन कारावास की सजा काट रहा था। उसके फरार होने को गंभीरता से लिया गया है। इस घटना के बाद कोकराझाड़ जिला जेल अधीक्षक रबीराम इंटिक को बुधवार को निलंबित कर दिया गया। सुरक्षा चूक की जांच शुरू कर दी गई है और फरार कैदी को पकड़ने के लिए अभियान जारी है।

नगांव में श्री राणी सती जी पर बनी फिल्म *मोटी सेठानी* का प्रदर्शन आज से

नगांव (निसं)। राणा संजय तुलस्यान व पलक तुलस्यान द्वारा निर्मित श्री राणीसती दादी जी पर बनी फिल्म *मोटी सेठानी* का नगांव के कृष्णा टाकीज में शुक्रवार से रविवार तक प्रतिदिन दोपहर एक बजे से दिखाई जाएगी। श्री राणी सत्संग समिति के मुकेश पोद्दार ने बताया कि पहले फिल्म शुक्रवार और शनिवार को चलने की बात थी परंतु लोगों की मांग पर फिल्म प्रदर्शन की तिथि को रविवार तक बढा दिया गया है। रमण दिवेदी द्वारा लिखित फिल्म में संगीत सतीश देहरा ने संगीतबद्ध किया है। फिल्म के निर्देशक है *रासदा तनधन*। मतलब राणी सती दादी और तनधन बाबा।

रंगिया समेत बीटीसी के पांच जिलों में कुल 320922 हिताधिकारियों को मिला पीएमवाई योजना का लाभ

रंगिया/उदालगुड़ी/कोकराझाड़ (विभास)। राज्य के अन्य क्षेत्रों के साथ रंगिया सम जिले में भी बुधवार को *प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण* के लाभार्थियों को समारोहपूर्ण रूप से अनुमोदन पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर रंगिया शिव मंदिर प्रांगण में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें रंगिया के विधायक भवेश कलिता, रंगिया सम-जिला आयुक्त देवाशीष गोस्वामी, रंगिया पौर सभा के अध्यक्ष अमरेंद्र लहकर, सामाजिक कार्यकर्ता रातुल शर्मा सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रंगिया निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत कुल दस लाभार्थियों को आधिकारिक तौर पर अनुमोदन प्रमाण पत्र और सम्मान पत्र प्रदान किया गया। इस मौके पर विधायक कलिता ने अपने भाषण में कहा कि राज्य भर में तीन लाख अट्ठासी हजार लाभार्थियों को जिसमें रंगिया निर्वाचन क्षेत्र में लगभग छ हजार लाभार्थियों को आज स्वीकृति पत्र वितरित किए गए है। उन्होंने कहा कि भविष्य में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत और भी अधिक बेघर परिवारों को आवास उपलब्ध कराएं जाएंगे। कार्यक्रम के प्रारंभ में वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से मुख्यमंत्री का भाषण सुनाया गया। इस कार्यक्रम में रंगिया निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों के हजारों लोगों ने भाग लिया। **कोकराझाड़** से हमारे संवाददाता के अनुसार कोकराझाड़ जिले के दोतमा ब्लॉक कार्यालय के परिषद में आज पीएमवाई योजना अनुमोदन पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी तरह राज्य के विभिन्न प्रांतों के साथ-साथ आज हिताधिकारियों के बीच दोतमा में विधायक रविराम नार्जारी, बीटीसी के कार्यकारी सदस्य सजल सिंह, बीटीसी के एमसीएलए प्रकाश बसुमतारी ने पीएमवाई योजना का अनुमोदन पत्र वितरण किया। वहीं बीटीसी के पांच जिलों में कुल 320922 हिताधिकारियों के बीच पीएमवाई योजना का अनुमोदन पत्र वितरण किया गया। वहीं कोकराझाड़ जिले में 110583 हिताधिकारियों के बीच पीएमवाई योजना का अनुमोदन पत्र वितरण किया गया। **उदालगुड़ी** से हमारे संवाददाता के अनुसार राज्य के अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ बुधवार को उदालगुड़ी जिले के दिमाकुची में भेड़गांव क्षेत्र के 1740 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्रामीणों को पीएमवाई योजना आवंटन पत्र वितरित किए गए। डिमाकुची बाजार गृह प्रांगण में आयोजित इस कार्यक्रम में असम विधानसभा के अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने भाषण प्रदान करते हुए कहा कि इस योजना के तहत आवंटित धन राशि सीधे लाभार्थियों के अकाउंट में जाएगा। इसमें कोई भी ठेकेदारी प्रथा नहीं रहेंगी। इस मौके पर कार्यक्रम में जिले के उपायुक्त पुलक पाटगिरि, बीटीसी के ईएम दाऊबाईसा बोड़ो, खैराबाड़ी क्षेत्र के पारिषद भवेन्द्र बोड़ो, सहायक आयुक्त अंशुमान हजारिका सहित बहुत से गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संपादकीय

वक्फ का जंतर-मंतर

वक्फ बिल के मुद्दे पर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड और हिंदू संगठन एक-दूसरे के खिलाफ आंदोलित हैं। राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर दोनों ने अपने-अपने मोर्चे खोले। मुस्लिम पक्ष के तेवर काफी उग्र हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने कहा है कि सरकार वक्फ बिल के जरिए संविधान पर बुलडोजर चलाना चाहती है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा है कि यह सांप का बिल है, जिसमें जहर भरा है। सांसद ओवैसी अपने तल्ख संबोधनों में मुसलमानों को डराते और भडक़ाते रहे हैं कि यदि वक्फ बिल संसद में पारित हो गया, तो हुकूमत हमारी मस्जिदें छीन लेगी, दरगाहें तोड़ देगी और कब्रिस्तान पर भी कब्जा कर लेगी। अजीब आंदोलन है यह! यही नहीं, 'शाहीन बाग' सरीखे नए आंदोलन तक की धमकी दी जा रही है। वक्फ संशोधन बिल ईद के बाद, बजट सत्र के अंतिम भाग में, संसद में पेश किया जाना प्रस्तावित है। लोकसभा स्पीकर ने, सरकार का आग्रह मानते हुए, जिस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया था, उसकी भारी-भरकम रपट लोकसभा में रखी जा चुकी है। जेपीसी के 31 सांसद-सदस्यों में विपक्ष के भी पर्याप्त सांसद थे, लिहाजा ये दलीलें बेमानी हैं कि उनके पक्ष और संशोधन अनसुने रखे गए हैं। संसद के भीतर भी तमाम संशोधन बहुमत या ध्वनि मत के आधार पर ही पारित किए जाते हैं। यदि जेपीसी में भी यही प्रणाली इस्तेमाल की गई है, तो विपक्ष की आपत्तियां चीखा-चिल्ली के अलावा कुछ और नहीं हैं। कार्यपालिका और विधायिका को सदन में किसी भी मुद्दे या कानून में संशोधन करने के संवैधानिक विशेषाधिकार हैं। सदन में मुस्लिम और उनके समर्थक दलों-सपा, कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस आदि-के सांसद भी हैं। वे संसदीय बहस में शिरकत करें। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के मु_ी भर नेता प्रस्तावित बिल को 'अल्लाह' और 'इस्लाम' के खिलाफ करार क्यों दे रहे हैं? वक्फ बोर्ड की जमीनें और संपत्तियां अल्लाह के नाम पर अर्जित की गई होंगी, लेकिन उनमें गहरे विवाद हैं। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय को 2023 में 148 शिकायतें मिली थीं, जिनमें अधिकतर मुसलमानों की ही थीं। आज भी 40,951 मामले ट्रिब्यूनल या अदालतों में लंबित हैं, लिहाजा संशोधन क्यों न किया जाए? हम तो देश में वक्फ बोर्ड सरीखे मजहबी संगठनों के अस्तित्व के ही खिलाफ हैं। देश में सरकार और प्रशासन के लोकतांत्रिक ढांचे को जनादेश प्राप्त है। वक्फ कानून में संशोधन होते रहे हैं, लेकिन इसकी निरंकुशता पर लगाम नहीं लगाई जा सकी है। देश में 9 लाख एकड़ से अधिक जमीन वक्फ बोर्ड के अधीन है, जो रेलवे और सेना के बाद सर्वाधिक है। करीब 8.7 लाख संपत्तियों की सालाना आमदनी मात्र 200 करोड़ रुपए बताई जाती रही है, जबकि सच्चर कमेटी की रपट के मुताबिक, यह आमदनी 12,000 करोड़ रुपए से अधिक होनी चाहिए। सवाल है कि इसमें भारी घोटाला है अथवा भू-माफिया की एक जमात हकीकत को छिपाए रखना चाहती है? विडंबना यह है कि 1.26 लाख करोड़ रुपए, 2023-24 के आकलन के मुताबिक, की संपत्तियों वाले वक्फ के मुस्लिम समाज में आज भी करीब 32 फीसदी अनपढ़ और 30 फीसदी गरीब मुसलमान हैं। वक्फ बोर्ड ऐसे मुसलमानों की मदद क्यों नहीं करते? जब आंदोलन की नौबत आ गई है, तो रमजान के महीने में भी रोजेदार मुसलमानों को सडक़ों पर उतरने के आह्वान किए जा रहे हैं। दरअसल वक्फ बोर्ड संविधान के अनुच्छेदों 25 और 26 की अवहेलना करता है। संशोधन की जरूरत इसलिए है, ताकि एक निश्चित व्यवस्था के तहत वक्फ के बेहतर ऑडिट किए जा सकें।

राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर दोनों ने अपने-अपने मोर्चे खोले। मुस्लिम पक्ष के तेवर काफी उग्र हैं। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष महमूद मदनी ने कहा है कि सरकार वक्फ बिल के जरिए संविधान पर बुलडोजर चलाना चाहती है। मौलाना कल्बे जव्वाद ने कहा है कि यह सांप का बिल है, जिसमें जहर भरा है। सांसद ओवैसी अपने तल्ख संबोधनों में मुसलमानों को डराते और भडक़ाते रहे हैं कि यदि वक्फ बिल संसद में पारित हो गया, तो हुकूमत हमारी मस्जिदें छीन लेगी, दरगाहें तोड़ देगी और कब्रिस्तान पर भी कब्जा कर लेगी। अजीब आंदोलन है यह! यही नहीं, 'शाहीन बाग' सरीखे नए आंदोलन तक की धमकी दी जा रही है। वक्फ संशोधन बिल ईद के बाद, बजट सत्र के अंतिम भाग में, संसद में पेश किया जाना प्रस्तावित है। लोकसभा स्पीकर ने, सरकार का आग्रह मानते हुए, जिस संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया था, उसकी भारी-भरकम रपट लोकसभा में रखी जा चुकी है। जेपीसी के 31 सांसद-सदस्यों में विपक्ष के भी पर्याप्त सांसद थे, लिहाजा ये दलीलें बेमानी हैं कि उनके पक्ष और संशोधन अनसुने रखे गए हैं। संसद के भीतर भी तमाम संशोधन बहुमत या ध्वनि मत के आधार पर ही पारित किए जाते हैं। यदि जेपीसी में भी यही प्रणाली इस्तेमाल की गई है, तो विपक्ष की आपत्तियां चीखा-चिल्ली के अलावा कुछ और नहीं हैं।

सुनीता विलियम्स की उपलब्धियाँ न केवल भारतीय वैज्ञानिकों बल्कि देश के युवाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत हैं

धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्सः एक ऐतिहासिक वापसी

डॉ. सत्यवान सौरभ

नासा की अनुभवी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके साथी बुच विल्मोर, जो पिछले नौ महीने से अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ISS) पर थे, आज सफलतापूर्वक धरती पर लौट आए हैं। स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल की मदद से उन्होंने मेक्सिको की खाड़ी में सुरक्षित लैंडिंग की। सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर जून 2024 में बोइंग के स्टारलाइनर के साथ परीक्षण उड़ान के लिए अंतरिक्ष में गए थे। हालांकि, स्टारलाइनर में तकनीकी खामी के कारण उनकी वापसी में देरी हुई, जिससे वे नौ महीने तक ISS पर रहे। उनकी वापसी के लिए स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन लॉन्च किया गया था, जिसने सफलतापूर्वक उन्हें धरती पर वापस लाया। वापसी के बाद, दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को स्ट्रेचर पर ले जाया गया, जो लंबे समय तक भारहीनता में रहने के बाद सामान्य प्रक्रिया है। यह मिशन न केवल तकनीकी दृष्टि से महत्त्वपूर्ण रहा, बल्कि इससे वैज्ञानिकों को अंतरिक्ष में लंबे समय तक रहने के प्रभावों को समझने में भी मदद मिलेगी। इससे नासा और अन्य अंतरिक्ष एजेंसियों को भविष्य के गहरे अंतरिक्ष अभियानों, जैसे कि मंगल पर मानव मिशन की योजना बनाने में सहायता मिलेगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं। इसके अलावा, स्टारलाइनर जैसी तकनीकों में सुधार कर, अंतरिक्ष अन्वेषण को अधिक सुरक्षित और कुशल बनाया जाएगा। अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को और विस्तारित करने के लिए वैज्ञानिक शोध जारी रहेंगे, जिससे भविष्य में मंगल और उससे आगे की यात्राएँ संभव हो सकेंगी। सुनीता विलियम्स की यह वापसी अंतरिक्ष अन्वेषण के क्षेत्र में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि है। यह मिशन भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों के लिए मूल्यवान डेटा प्रदान करेगा और अंतरिक्ष यान तकनीक के सुधार में सहायक सिद्ध होगा। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुनीता विलियम्स की सफल वापसी पर बधाई दी और उनके साहस तथा समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि सुनीता विलियम्स न केवल भारतीय मूल के लोगों के लिए गर्व का विषय हैं, बल्कि पूरे विश्व के लिए प्रेरणास्रोत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी कहा कि उनका यह मिशन भारत के अंतरिक्ष वैज्ञानिकों और युवाओं के लिए एक प्रेरणा है, जो अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों को छूने का सपना देखते हैं।

सुनीता विलियम्स और उनके जैसे अनुभवी अंतरिक्ष यात्री भविष्य के चंद्र और मंगल अभियानों में अहम भूमिका निभा सकते हैं। नासा और अन्य स्पेस एजेंसियाँ अब दीर्घकालिक अंतरिक्ष मिशनों की तैयारी कर रही हैं, जिनमें अंतरिक्ष में रहने के नए तरीके, कृत्रिम गुरुत्वाकर्षण की संभावनाएँ और अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को कम करने की रणनीतियाँ शामिल हैं

दृष्टि कोण

नए बजट की दशा और दिशा

बाप बड़ा न भैया, सबसे बड़ा रुपया। कोई घर, संस्था या सरकार पैसे के बिना कुछ नहीं कर सकते। सरकारों का यह दायित्व होता है कि ज्यादा से ज्यादा साधन जुटाएं और चादर देख कर ही अपने पांव पसारें। भारतीय संविधान केंद्र और राज्य सरकारों को अगामी वित्तीय वर्ष के लिए अपनी आय और व्यय का लेखा-जोखा संसद या विधानसभा में प्रस्तुत करने के लिए बाध्य करता है जिसे वार्षिक वित्तीय विवरणिका कहा जाता है। इस विवरणिका को आम तौर पर बजट कह कर संबोधित किया जाता है। हिमाचल प्रदेश का वर्ष 2025-26 का बजट 17 मार्च को माननीय मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा में प्रस्तुत किया गया। इससे पहले 13 मार्च को प्रदेश का इकोनॉमिक सर्वे आया था। इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार आर्थिक गति दर में 0.1 फीसदी की मामूली सी बढ़ोतरी हुई है। वर्ष 2023-24 में जो दर 6.6 फीसदी थी, 2024-25 में 6.7 फीसदी आंकी गई है। घरेलु सकल उत्पाद जो 2023-24 में 2.10 लाख करोड़ था, बढ़ कर 2.32 लाख करोड़ हो गया है। वर्ष 2023-24 में प्रति व्यक्ति आय जो 234782 रुपए थी, 9.6 प्रतिशत वृद्धि के साथ वर्ष 2024-25 में 257212 रुपए हो गई है जो एक अच्छा संकेत है। प्रदेश की महंगाई दर 5 प्रतिशत से घट कर 4.2 प्रतिशत पर आ गई है। हिमाचल का लेबर फोर्स पार्टीसिपेशन रेट 60.5 प्रतिशत है जो पड़ोस के सभी राज्यों से तो अधिक है। हिमाचल की बेरोजगारी दर 5.4 फीसदी आंकी गई है, लेकिन रोजगार कार्यालयों के अनुसार 675671 व्यक्ति अभी रोजगार की कतार में खड़े हैं। राज्य का 2025-26 का बजट 58514 करोड़ रुपए का है, जबकि गत वर्ष यह 58444 करोड़ का था। मात्र 70 करोड़ की वृद्धि हुई है। राज्य की कुल अनुमानित राजस्व आय 42343 करोड़, तो अनुमानित व्यय 48733 करोड़ रुपए है। राजस्व घाटा 6390 करोड़ रुपए का और वित्तीय घाटा 10338 करोड़ का है। वित्तीय घाटा कुल सकल घरेलु उत्पाद का 4.4 प्रतिशत है जो एफ आरबीएम की 3 फीसदी की सीमा से बाहर है। राज्य की सीमित आय को देखते हुए जाहिर है कि वित्तीय घाटा ऋण लेकर ही पूरा किया जा सकेगा। वेतन, पेंशन, ऋण व ऋण पर ब्याज की अदायगी और स्वायत्त संस्थाओं के अनुदान पर 76 प्रतिशत व्यय होना दर्शाया गया है। विकासात्मक कार्यों के हिस्से केवल 24 प्रतिशत राशि ही आएगी, जबकि पिछले वर्ष 28 प्रतिशत थी। प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना, कृषि ऋण पर ब्याज उपदान योजना, मंडी तक अपना सामान ले जाने पर भाड़ा उपदान, बंदरों की समस्या से निजात पाने के लिए जंगलों में फल के पौधे लगाना और स्थानीय समुदायों को उससे जोडऩा आदि किसान हितकारी योजनाएं बजट में हैं। लेकिन आवारा बैल-गायों की समस्या के समाधान के लिए कुछ विशेष नजर नहीं आता। शिक्षा संस्थानों में युक्तिकरण सही है, लेकिन शिक्षा की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। स्कूलों में बढ़ती नशा प्रवृत्ति पर भी अंकुश की सख्त जरूरत है। चिकित्सा संस्थानों में एमआरआई और पेट स्कैन आदि नए उपकरण खरीदना समय की मांग है। इसी तरह महिला और बाल विकास की कल्याणकारी योजनाओं का भी जिक्र बजट में है, जिसे आगे ले जाने की आवश्यकता है। पुरानी टैक्सियों को ई-टैक्सियों में बदलने के लिए ऋण सुविधा, सोलर पॉवर को बढ़ावा देने के लिए उद्यमियों, विशेषकर युवाओं को ऋण पर ब्याज उपदान की घोषणा करना, राज्य में उद्योग को आकृष्ट करने के लिए दो महीने के अंदर उन्हें सारी क्लीयरैंस देना, धार्मिक, साहसी, मेडिकल पर्यटन को विकसित करना, पर्यटन को शहर से गांव की ओर ले जाना सही दिशा में सही कदम हैं, लेकिन जरूरत है इसे अमलीजामा पहनाने की। नए डेस्टिनेशन को विकसित करने की बातें वर्षों से चल रही हैं, परंतु धरातल पर आज तक कुछ उतर नहीं पाया है। दिहाड़ीदारों, आउटसोर्स वर्कर, आंगनवाड़ी व आशा वर्कर और अन्य कई कर्मियों की पगार बढ़ाना अच्छी बात है, लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण है आउटसोर्स कर्मियों को नियमित करने के लिए नीति निर्धारण करना। कर्मचारियों को 3 प्रतिशत डीए और 70 वर्ष से ऊपर के पेंशनरों को एरियर के भुगतान की घोषणा स्वागत योग्य है, परंतु देनदारियों को निपटाने में इस तरह तो कई दशक लग जाएंगे जो न कर्मचारियों के और न ही सरकार के हित में होगा। न्यायालयों ने अगर एरियर पर ब्याज देने को बाध्य किया तो मुश्किल और बढ़ जाएगी। चिंताजनक पहलु यह है कि विकास के लिए बजट का कुल हिस्सा घटता जा रहा है। पिछले वर्ष अगर यह 28 फीसदी था, तो इस साल यह 24 फीसदी रह गया है।

कुछ अलग

डॉट वरी! हो जाएगा...

अब अपने मुंह अपनी तारीफ क्या करनी। मैं नहीं, मेरा काम बोलता है। पिछले हफ्ते मेरे मुहल्ले का पुजारी मेरे पास आ सिर शान से उठाए बोला, 'बंधुवर! कहते हुए आ तो शर्म रही है, पूजा करते करते बहुत थक गया हूं, अब मुझे भगवान होने का प्रमाणपत्र चाहिए था।' 'बस इतनी सी बात! डोंट वरी! कल ले लेना! हम यहां बैठे किसलिए हैं?' और मैंने अगले दिन वायदे के मुताबिक पुजारी को भगवान होने का चकाचक प्रमाणपत्र थमा दिया।

अगली सुबह मुहल्ले के मंदिर गया तो देखा, मेरे द्वारा दिलाए प्रमाणपत्र को गले में डाले पुजारी भगवान के सिंहासन पर और असली के भगवान पुजारी के पटड़े पर। इसी सिलसिले में कल मेरे एक मित्र का फोन आया। फोन उठाते ही बोले, 'यार! उनको एक प्रमाणपत्र चाहिए था। हो जाएगा न?'

'एक क्या, सौ लो, हजार लो। हम आए ही किसलिए हैं इस जीव जगत में? कौनसा प्रमाणपत्र चाहिए जनाब को? किस बोर्ड का चाहिए? किस विश्वविद्यालय का चाहिए? किस ऑफिस का चाहिए? बस, थोड़ा सा वक्त दे देना प्लीज! माना, तुम्हारा दोस्त हूं। पर फर्जी काम के लिए थोड़ा समय तो मुझे भी चाहिए होता है न!' मैंने अपने हर कस्टमर की तरह उनको भी आश्वस्त किया तो वे बोले, 'उनको अपनी पत्नी की मृत्यु का प्रमाणपत्र चाहिए था।' उन्होंने कहा तो मुझे काटो तो खून नहीं। उनमें यह कहते हुए रहा होगा, तो मैं कुछ कह नहीं सकता। उनके मुखारविंद से यह सुन गुस्सा तो बहुत आया, पर दोस्त अपने थे, इसलिए खामोश रहा। फिर पता नहीं क्यों, ऐसे में भी उनको सही गाइड करना अपना फर्ज समझा। सो मैंने उनको गाइड करते कहा, 'तो इस मृत्यु प्रमाणपत्र लेने में मेरी जरूरत क्या? कमेटी से इजीली मिल जाएगा।' 'नहीं मित्र! वे चाहते हैं कि उनकी पत्नी तो जिंदा रहे, पर पत्नी के फर्जी मृत्यु प्रमाणपत्र से पत्नी के मरने के बाद वाले सारे बेनिफिट उनको मिल जाएं। बेचारे आजकल बहुत तंगी में चले हैं!' 'तो उनसे कहो कि जीवित पत्नी का मृत्यु प्रमाणपत्र लेने के लिए सबसे पहले वे सरकारी कागजों में शमशानघाट के असली कर्मचारी के कर कमलों द्वारा अपनी पत्नी का कागजी अंतिम संस्कार करवाएं। जब उसका शमशानघाट के कर्मचारी के हाथों कागजी अंतिम संस्कार हो जाए तो उसके बाद वे मृत्यु ऑफिस जाकर मुत्यु प्रमाणपत्र जारी करने वाले अधिकारी की सेवा पानी करें। परम सत्य है, जहां सेवा, वहां मेवा। जो वे सेवा पानी करवाने के बाद भी आनाकानी करें तो बीच में हजार-दो हजार दे दलाल को डाल दें। मेरे जैसे दलालों की ऑफिसों में कोई कमी नहीं। एक ढूंढो, दस मिलेंगे। वैसे भी अब एक से महानों ने देश की रखवाली करने के बदले दलाली का बिजनेस शुरू कर रखा है। अपने समाज में नागरिक कम तो दलाल अधिक हैं। पैसे देखकर यहां कौन नहीं बिक जाता?' 'फिर?' लगा जैसे वे मेरी बातों को गहनता से ले रहे थे, 'जब वहां से उनकी जीवित पत्नी की फर्जी मृत्यु का मृत्यु प्रमाणपत्र मिल जाए तो उसे वे जहां चाहते हों वहां पेश कर दें। अगर बीच में कोई दिक्कत आए तो बता देना। बंदा जरूरतमंदों के नेक कामों के लिए हरदम हाजिर है', मैंने कहा तो वे इतने प्रसन्न कि मानो उनको ही...।

देश दुनीया से

प्रकृति संरक्षण के कृतसंकल्प लिए जाएं

आधुनिक प्रगति की असंख्य उलझी हुई समस्याओं के साथ निरंतर उत्पन्न होतीं मौसम संबंधी अस्थिरताएं भी मनुष्य को हतप्रभ कर रही हैं। इस बार होली दिवस के संध्याकाल से ही भारत सहित विभिन्न देशों में जलवायु प्रतिकूल होनी आरंभ हो गई। परिणाम में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड की संपूर्ण पर्वतमाला के ऊंचे शिखरों पर हुए हिमपात, वर्षा, आंधी-तूफान द्वारा जलवायु पुनः अस्थिर हो उठी है। होली दिवस के अपराह्न काल से आरंभ हुआ ऐसा अप्रत्याशित जलवायु परिवर्तन पहले कभी यदा-कदा ही घटित हुआ होगा। ऐसा परिवर्तन वायुमंडल की वातानुकूलन स्थिति को ध्वस्त कर रहा है। यह दुष्चक्र विगत दस-पंद्रह वर्षों से तीव्रतापूर्वक अप्रकट रूप में घूम रहा है। इस पर आधुनिक विज्ञान और वैज्ञानिकों का कोई नियंत्रण नहीं है। यह मनुष्य के अल्पावधि के जीवन को भी केवल और केवल कठिनाइयों, समस्याओं व पीड़ाओं से घेर रहा है। इस लेखक ने स्वयं पहाड़ी क्षेत्र में रहते हुए 14 मार्च को रात 12 बजे के बाद से लेकर 15 मार्च प्रातः 9 बजे तक भयंकर तेज हवाओं, अंधड़, तूफान और घन गर्जनाओं का सामना किया। वायु की गति इतनी तीव्र थी कि विशाल आकार के बीस-पच्चीस फुट लंबे-चौड़े वृक्ष जड़मूल धराशायी हो गए। घन गर्जनाएं ऐसी प्रतीत हुईं कि घर को नींव से भी नीचे गहरे जाकर उखाड़ रही हों। घरों में बनाए हुए अपने घोंसलों में रहने वाले गौरैया पक्षी इस विध्वंसकारी वातावरण में बाहर निकलने का साहस नहीं कर सके। विशाल वृक्षों को तोड़-मरोड़ कर रख देने वाली तेज हवाओं के सम्मुख नन्हे पक्षियों का क्या अस्तित्व! प्रायः ब्रह्म मुहूर्त में अपनी चहचहाटों के साथ फुदकने वाले गौरैया सहित अनेक अन्य पक्षी इस जलवायुगत विपत्ति में निःश्वास एवं अस्तित्वहीन होकर दुबके हुए थे। ऐसे में क्या मनुष्य का घर और क्या पक्षी का घोंसला, सभी आश्रयस्थल असुरक्षित थे। इस प्रतिकूल परिस्थिति में पूरा जीवन ही असुरक्षित हो उठा था। यह सभी कुछ होने की समयावधि में जो जन गहरी नींद में थे, उनके निद्रास्वास्थ्य का अभिनंदन है। किंतु यह लेखक तो पूरे छह-सात घंटे तक प्रकृति के विनाशक तांडव के थमने, रुकने की ही प्रतीक्षा करता रहा। यह पारिस्थितिकी असंतुलन भारत के वायुमंडल तक ही सीमित नहीं था। इसी समयावधि में अमेरिका के मध्य-पश्चिमी व दक्षिणी क्षेत्र के मिसौरी, अर्कांसस, टेक्सास, ओक्लाहोमा, कंसास और मिसिसिपी में भी आंधी-तूफान, वर्षा-हवाओं के कारण 34 लोग मारे गए और 29 घायल हो गए। अमेरिका के इन क्षेत्रों में भी वैसी ही अग्नि भडक़ी हुई है जैसी जनवरी में कैलिफोर्निया के जंगलों में थी। हवाओं से अग्नि का तीव्र प्रसार हो रहा है। परिणामतः मिसिसिपी, अलबामा और टेनेसी सहित अनेक क्षेत्रों के लगभग नब्बे लाख लोग तेज हवाओं से प्रज्ज्वलित अग्नि बवंडर से प्रभावित हो सकते हैं। वहां आठ करोड़ अ_ाईस लाख की जनसंख्या को हवा के अलर्ट के बारे में सूचित किया गया है। मौसम का विनाशक घूर्णनकारी चक्र अमेरिका के मध्य क्षेत्र से होकर के पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इस कारण जॉर्जिया में अत्यधिक वर्षा, अकस्मात बाढ़ आने, विनाशकारी हवा के झोंकों के चलने और तीव्रतापूर्वक फैल रहे बवंडर का संकट व्याप्त है। भारत और अमेरिका ही नहीं, दुनिया के अनेक देशों, भूभागों और इनमें रह रहे लोगों पर 14-15 मार्च का जलवायु उत्पात गहन संकट बनकर छाया। ऐसा गत पंद्रह वर्षों में कम प्रभाव के साथ, गत दस वर्षों में अधिक प्रभाव के साथ और अब विगत एक-दो वर्षों में अत्यधिक प्रभाव के साथ निरंतर कुछ-कुछ दिनों के अंतराल पर हो ही रहा है। जब मौसम मानवजाति के सिर पर विनाश की छतरी बनकर तन चुका है, तो क्या मानवों को अभिशप्त वैज्ञानिक प्रतिस्पद्र्धा और परिणामकारी जैविक व जीवन संबंधी गतिविधियों पर नियंत्रण का कार्य अभ्यास आरंभ नहीं कर देना चाहिए? मौसम के अप्रत्याशित संकटों के सम्मुख मानव का विज्ञान-लालच कोई महत्त्व नहीं रखता है। अतः विज्ञान के आत्मघाती प्रयोगों को रोककर मानवीय जीवन को पुनः आत्मनिर्भर ग्रामीण व्यवस्था की ओर अग्रसर करने का समय आ चुका है। कोरोना महामारी के बाद तो ऐसा हो भी जाना चाहिए था, किंतु विश्व के कर्ताधर्ता ऐसा नहीं चाहते हैं। वे महामारीजन्य अनेक असुरक्षाओं के बाद भी मनुष्य को प्रगति का दास बनाए रखने की प्रेरणा दे रहे हैं। वे मनुष्य को प्राकृतिक जीवन, स्वास्थ्य, खाद्यान्न, आनंद देने की स्थिति में तो नहीं हैं, किंतु वैज्ञानिक प्रगति के मंत्र से मुग्ध करके उसे अप्राकृतिक रूप में मरने-खपने और मरने-खपने की इस प्रतियोगिता से लगाव रखने की सीख देने में अवश्य सफल हैं। वैज्ञानिकों, पूंजीधारकों, उद्योगकारों और इनके अनुसार शासन हांकने वाले शासकों को अंततः कितना अधिक साधन-संसाधन संपन्न होना है! ऐसी संपन्नता की कोई सीमा भी तो होगी। यदि ऐसे लोग प्रकृति के प्रकट व गुप्त तत्त्वों का राक्षसी दोहन करते हुए अपने संबंधियों और समर्थकों के लिए भी साधनों-संसाधनों की विशाल मात्रा एकत्र कर देना चाहते हैं, तो करें। इस हेतु वे अपने व अपने संबंधियों के लिए साधनों-संसाधनों के मूल्य प्रतीक और अर्थव्यवस्था के शक्ति संकेत के स्वरूप में विद्यमान मुद्रा को वास्तविक अथवा आभासी रूप में मनचाही मात्रा में एकत्र कर लें। वे ऐसा कर भी रहे हैं। किंतु गहन आश्चर्य है कि ऐसा करने के बाद भी उनका लालच रुक नहीं रहा। उन्हें स्वयं और अपनी पीढिय़ों के लिए मनचाही मात्रा में एकत्र की हुई मुद्रा भी कम ही लग रही है। यदि मनुष्यगण ऐसी ही प्रवृत्ति से ग्रस्त रहेंगे तो इसका अंतिम दुष्परिणाम प्रकृति की विनाश लीला के रूप में ही सामने होगा। साधन-संसाधन संपन्न मनुष्यों को बारंबार यह सूत्र स्मरण करने की आवश्यकता है कि वे उपलब्ध पंचतत्त्वों का आसुरी दोहन करके वैज्ञानिक-आधुनिक प्रगति तो कर सकते हैं, परंतु पंचतत्त्वों की विकारग्रस्तता के कारण उत्पन्न होने वाली अप्रत्याशित पर्यावरणीय प्रतिक्रियाएं नहीं थाम सकते। आज के प्रगतिवादी, आधुनिक और तर्कशील व्यक्ति अपनी कपोल कल्पना के वशीभूत होकर प्राचीन लोगों को मूर्ख समझते हैं, किंतु उन्हें जलवायु की दुर्दशा देखकर अपने बारे में भी यह सत्य जानने-समझने की अति आवश्यकता है कि अपने जीवन के आधार पंचतत्त्वों को पराकाष्ठा तक विकृत करने में वे सर्वाधिक दोषी हैं। पहले के मनुष्य जीवन की प्रत्येक गतिविधि को दूरदर्शी नीतियों के अनुसार निर्धारित करते थे। अपने जीवन को जीते हुए, उसे संभालते हुए, उसका चहुंदिश आनंद लेते हुए और उसका सम्मान करते हुए वे हमारी अर्थात अपनी भावी पीढ़ी की पर्यावरणीय सुरक्षा के बारे में भी विचार किया करते थे।

आप का नजरीया

पर्यटन के साइड इफेक्ट

छुट्टियों में चढ़ता घरेलू पर्यटन का बुखार हिमाचल की आबोहवा में रंग घोलता है, तो इसी के साथ कुछ अवांछित पहलू भी जुड़ जाते हैं। सारे यात्री पर्यटक नहीं हो सकते, इसलिए सही पर्यटन को चिन्हित करना होगा, जबकि हिमाचल में हर आने वाले की पहचान तथा उसके आचरण की निगरानी बेहद जरूरी है। प्रदेश में एक हुजूम ऐसा भी आने लगा है, जो भ्रमित है या हिमाचल में आकर पर्यटन के आंकड़े बिगाड़ रहा है। एक और पर्यटक समूह है, जो अभी आया नहीं या यहां पहुंचा नहीं, उसे बुलाने की जरूरत है। जो भीड़ आती है, उसका पर्यटन से अलग करके मुआयना करना होगा। सही को सहेजना और गलत को वापस भेजना भी पर्यटन की कला है। सही वह है जिसे हाई एंड टूरिस्ट कहते हैं। उसके लिए सुकून चाहिए। उसे संस्कृति, पर्वतीय आबोहवा, परंपराओं में बहती सादगी और पहाड़ी रिवायत में गीत-संगीत व ट्राइबल जीवन से रूबरू होना है। इस तरह असली पर्यटक तो अभी आया नहीं, क्योंकि उसके लिए रास्ते अभी बने नहीं और जो रास्ते बने, उनसे पर्यटन के नाम पर हमने अवांछित भीड़ इकट्ठी कर ली। यही भीड़ ऊना में पुलिस से उलझ जाती है, तो मणिकर्ण गुरुद्वारे के दर्शन को अफरा-तफरी में बदल देती है। आखिर यह कौनसा पर्यटन है, जो झंडा प्रदर्शन की इबारत में चुनौती दे रहा है। क्या हिमाचल इस हुड़दंग की गिनती भी पर्यटन में करता है। हम इन्हें किसी राज्य से जोडक़र नहीं देख सकते, लेकिन वर्ष के सारे यात्री साधु नहीं होते या हिमाचल की पर्यटन महफिल को अशांत करने वालों से निपटने की व्यवस्था करनी चाहिए। हम अगर पर्यावरण राज्य हैं, तो एक सीमा से आगे बाहरी राज्यों के पुराने वाहनों खास तौर पर बाइकर्ज को आने की अनुमति नहीं होनी चाहिए। प्रदेश के प्रमुख पर्यटक स्थलों से दस किलोमीटर पहले ही बाहरी वाहन रोककर आगे का सफर सार्वजनिक परिवहन या रज्जु मार्गों के माध्यम से ही संभव करना होगा।हिमाचल में पर्यटन को अनुशासित, उपयोगी और शालीन बनाए रखने के लिए पुलिस की गश्त चौबीस घंटे करनी पड़ेगी। अब हमें पर्यटन पुलिस के खाके में मेहनत करते हुए देश में सबसे आगे खड़ा होना पड़ेगा। दरअसल हमने पर्यटन को फेरी बना दिया है, जहां चंद गेड़ीबाज लोग माहौल को खराब कर रहे हैं। यह भीड़ पर्यटन है जो प्रदेश के शांत माहौल में आवारगी का आलम पैदा करता है। इसी भीड़ के बीच पर्यटन की सौम्यता का कायल युवा पढ़ा-लिखा व कारपोरेट से जुड़ा सैलानी आहत होता है। गेड़ीबाज पर्यटक किसी न किसी तरह के पुराने-अनफिट वाहन पर सवार होकर आ रहा है। परिवहन के मानकों को नजरअंदाज करके कानून-व्यवस्था पर दबाव डाल रहा है। इसे पर्यटक अधोसंरचना से कोई सरोकार नहीं। यह मुफ्त के लंगर खोज रहा है या एक दिन और रात के सफर में सामाजिक ताने-बाने, धार्मिक परंपराओं और शिष्टाचार के सारे पैमानों को नजरअंदाज कर रहा है। इसकी जिज्ञासा में हो-हल्ले का सफर ही मुकम्मल है और यह प्रकृति के विपरीत खतरे मोल लेता है। कांगड़ा की बनेर खड्ड में अगर पंजाब का युवक डूब कर मरा, तो यह खुदकुशी है। वहां सुरक्षा के सारे इंतजाम तथा चेतावनियों के बावजूद अगर पानी से छेडख़ानी होगी, तो मौत की मंजिल तय है।

आक्रांता औरंगजेब की महिमा का मंडन करना सपा का चरित्र : केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज (हिंस)। आक्रांता औरंगजेब की सपा मुखिया अखिलेश यादव द्वारा महिमा मंडन करना सपा के चरित्र का जीता जागता उदाहरण है। समाजवादी पार्टी का जो पीडीए का नारा है वह जनता के साथ एक धोखा है। उनके द्वारा दिए गए पीढ़ीए के नारे का मतलब परिवार डेवलपमेंट एजेंसी है। अपराधियों, दंगाइयों, गुंडों का विकास है। यह बातें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को प्रयागराज आगमन पर सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने आगे कहा कि संगठन ने इस बार नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष संजय गुप्ता, निर्मला पासवान, राजेश शुक्ला को संगठन की बागडोर सौंपी है। मैं उनके सफल कार्यकाल की बधाई देता हूं। कार्यकर्ता भारतीय जनता पार्टी की सबसे बड़ी ताकत है, इस ताकत को एक साथ लेकर चलना है। जिला पंचायत और 2027 के विधानसभा चुनाव में पुन: एक बार कमल खिलाकर प्रयागराज के सभी 12 विधानसभा में सपा, बसपा व कांग्रेस का सफाया करना है। उपमुख्यमंत्री ने कहा प्रयागराज का महाकुंभ गर्व का विषय रहा, लेकिन पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा महाकुंभ को मृत्यु कुंभ कहना और अखिलेश यादव द्वारा उनका समर्थन करना दुर्भाग्यपूर्ण और सनातनियों का अपमान करना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा महाकुंभ पर्व को लेकर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्टी के जनेऊधारी राहुल गांधी ने जो अवरोध उत्पन्न किया उसे देश की जनता माफ नहीं करेगी। इस अवसर पर नवनिर्वाचित महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, गंगापार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान एवं यमुनापार जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने उपमुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि आपके मार्गदर्शन में हम अपने सभी विधानसभा में प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलाकर संगठन को जीत की सौगात देंगे। इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी, जिला पंचायत अध्यक्ष वीके सिंह, डॉ. शैलेश पांडे, कुंज बिहारी मिश्रा, राजेश केसरवानी, दिलीप चतुर्वेदी, राकेश जैन, रोहित पप्पू पांडे, विशाल अग्रवाल, विजय पटेल, संजय पासवान, विवेक मिश्रा, राकेश कुशवाहा, सुनील कुशवाहा, अजय सिंह, विजय श्रीवास्तव, किरन जायसवाल, आनंद दुबे, शत्रुघ्न जायसवाल आदि हजारों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राजस्थान दिवस : युवा और महिला वर्ग को राज्य सरकार देगी विभिन्न सौगातें

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि आगामी राजस्थान दिवस (30 मार्च, 2025 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा) को लेकर राज्य सरकार बड़े स्तर पर प्रदेश के विभिन्न वर्गों के लिए कार्यक्रम आयोजित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुशासन के जरिए विकसित राजस्थान के लक्ष्य को हासिल करने केलिए युवा, किसान, महिला और गरीब वर्ग को विभिन्न सौगातें देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान के युवाओं के सरकारी नौकरियों में रोजगार के सपने को साकार करते हुए रोजगार उत्सव का आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए जाएंगे। जिला मुख्यालयों पर रोजगार मेला भी आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि स्कील नीति व युवा नीति भी लायी जाएगी, जिससे युवाओं के सपने साकार हो सकेंगे। सभी जिला मुख्यालयों पर *रन फॉर फिट राजस्थान* का आयोजन होगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिला सशक्तीकरण के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से अहम निर्णय ले रही है।

केंद्र और किसानों के बीच सातवीं बैठक भी रही बेनतीजा, अब चार मई को फिर बैठक

चंडीगढ़ (हिंस)। फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य समेत कई मांगों को लेकर पंजाब के शंभू व खनौरी बॉर्डर पर आंदोलन कर रहे किसानों तथा केंद्र सरकार के बीच बुधवार को चंडीगढ़ में हुई सातवें दौर की बैठक भी बेनतीजा रही। अब किसान तथा केंद्र सरकार के प्रतिनिधि चार मई को फिर से बैठक करेंगे। इससे पहले केंद्र सरकार तथा किसानों के बीच छह चरणों में बैठकें हो चुकी हैं। बुधवार को चंडीगढ़ में हुई बैठक में संयुक्त किसान मोर्चा (गैर राजनीतिक) के नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल और किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवन सिंह पंधेर की अगुआई में 28 किसान नेताओं ने भाग लिया। वहीं केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान, प्रह्लाद जोशी और पीयूष गोयल के अलावा पंजाब सरकार की तरफ से कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां और वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने किसानों से बातचीत की। कई घंटे की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि कई मामलों पर बातचीत सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है। हर पहलू पर किसान अपना पक्ष रख रहे हैं, सरकार अपना पक्ष रख रही है। इसके बाद एक कॉमन राय के आधार पर फैसला लिया जाएगा। बैठक में शामिल हुए पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा ने कहा कि पिछली बैठक में किसान जत्थेबंदियों की ओर से मांगों को लेकर लिस्ट शेयर की गई थी। जिस डेटा के आधार पर किसान एमएसपी सहित अन्य मांगे कर रहे थे, आज केंद्र सरकार के साथ किसानों की बैठक में उस पर चर्चा हुई है। अन्य सभी मुद्दों पर भी चर्चा की गई। अब व्यापारी और अन्य ऐसे वर्ग, जोकि किसानी से जुड़े हुए हैं, उनसे केंद्र सरकार एक बार बातचीत करेगी। वार्ता में इस बात की सहमति बनी है कि इस एजेंडे पर चार मई को दोबारा बैठक की जाएगी। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा कि अचानक पंजाब सरकार ने शंभू और खनौरी बॉर्डर पर पुलिस बढ़ा दी है। ये हमारी सुरक्षा के लिए है या कुछ और इनपुट है। हम सरकार से इस बारे में बातचीत करेंगे।

महिलाओं को दी वर्क फ्रॉम होम एंड जॉब योजना की जानकारी

जोधपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री वर्क फ्रॉम होम एंड जॉब योजना के तहत महिलाओं की सशक्तीकरण को लेकर महिला अधिकारिता की ओर से एक कार्यशाला का आयोजन आईटीआई परिसर में किया गया। कार्यशाला में महिलाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के बारे में जानकारी दी गई। उप निदेशक परसराम विश्नोई ने बताया कि महिलाओं को घर बैठे काम दिलवाने के लिए राज्य सरकार द्वारा पोर्टल तैयार किया गया है जिसमें नियोक्ता एवं महिला आवेदनकर्ता द्वारा निशुल्क पंजीयन किया जा सकता है। इस दौरान वहां उपस्थित युवतियों व महिलाओं को इस योजना के बारे में जानकारी दी।

पथराव के बाद तनाव, दोनों पक्षों में जमकर हुई पत्थरबाजी

पाली (हिंस)। शहर के खोड़िया बालाजी क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक धार्मिक स्थल पर आयोजित कार्यक्रम के बाद बाहर निकल रहे लोगों पर कुछ युवकों की ओर से पत्थर फेंकने की घटना से माहौल एकबारगी तनाव भरा हो गया। आक्रोशित लोगों ने बाइक सवार युवकों को रोककर उनकी बाइक पर पत्थर मारे, इससे देर तक तनाव बढ़ गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस बीच मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधिकारियों के साथ आरएसी जवान मौके पर पहुंचे तथा लोगों को समझाइश कर उन्हें रवाना किया। इस मामले में एक जने को पुलिस ने हिरासत में लिया है। एहतियात के तौर पर मौके पर देर रात तक हथियारबंद पुलिसकर्मी तैनात किए गए। पुलिस व प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मंगलवार देर शाम दो पक्षों के कुछ युवकों में तनातनी हो गई। एक पक्ष ने आरोप लगाया कि कुछ युवकों ने पत्थर फेंके हैं। पत्थर फेंकने से माहौल तनाव भरा हो गया। गुस्साए युवकों ने वहां से गुजर रहे दो युवकों को रोक लिया और बाइक में तोड़फोड़ कर डाली। सूचना के बाद एएसपी विपिन शर्मा, सीओ सिटी उषा यादव, कोतवाली थाना प्रभारी अनिल कुमार बिश्नोई सहित पुलिसकर्मी और आरएसी के जवान मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने वहां मौजूद लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए लोगों को घरों की तरफ रवाना किया तथा मामला शांत किया। पुलिस अधिकारी देर रात तक क्षेत्र में गश्त करते नजर आए। साथ ही मामले की पड़ताल में जुटे रहे।

राष्ट्रीय महिला आयोग ने की जन सुनवाई में आई कई शिकायतें

लॉरेंस गैंग के सदस्य पर लड़की के अपहरण व गायब करने का आरोप

हिसार (हिंस)। लॉरेंस गैंग से जुड़े गुर्गे पर एक लड़की के अपहरण का आरोप लगाते हुए युवती को बरामद करने की गुहार लगाने का मामला राष्ट्रीय महिला आयोग की महिला जनसुनवाई में उठा है। पीड़िता के माता-पिता ने बुधवार को राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य के समक्ष पेशकर बेटी की तलाश करने व परिवार को सुरक्षा देने की मांग की। खास बात है कि जिस गुर्गे पर अपहरण का आरोप है वह युवक पंकज भी महिला आयोग के सामने बैठा था। उसने आयोग के समक्ष कहा कि खुशबू घर से अकेली गई है। आयोग सदस्य के समक्ष उंगली दिखाकर बात करने पर आयोग सदस्य ने उसे फटकार भी लगाई और अपनी सीट पर जाकर बैठने की बात कही। आयोग सदस्य अनीता देवी बोली कि लड़की कहां है? पुलिस ने क्या कार्रवाई की? पुलिस ने बताया कि लड़की और उसकी मां का फोन भी ट्रेस किया था और अखबारों के माध्यम से सूचना दी गई है। अभी तक पता नहीं लगा है। आयोग सदस्य ने पुलिस को जल्द तलाश कर उचित कार्रवाई के आदेश दिए। आरोपी पर आर्म्स एक्ट सहित कई केस आरोपी पंकज पर पहले से कई मामले दर्ज हैं। वह अवैध पिस्तोल के साथ गिरफ्तार भी किया जा चुका है। जब इस बारे में पंकज से भी बात की गई तो कहा कि खुशबू की पहले उसके साथ बातचीत होती थी, पर अब काफी समय से कोई संपर्क नहीं हुआ। उसने पुलिस को भी यह बात बताई परंतु एक न सुनीं। हिसार के जिला सभागार में राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी और हरियाणा राज्य महिला आयोग की चेयरपर्सन रेनू भाटिया की अध्यक्षता में बुधवार को महिलाओं से जुड़े मामलों एवं शिकायतों के समाधान के लिए जन सुनवाई आयोजित की गई। उसी दौरान आदमपुर निवासी लड़की के माता-पिता भी पहुंचे और आयोग सदस्य को मामले से अवगत कराया। शिकायत में पंकज पर कई मुकदमों का जिक्र आयोग सदस्य को दी शिकायत में आदमपुर निवासी अनीता देवी ने बताया कि उसकी बेटी खुशबू आरोपी पंकज के साथ अगस्त 2021 से उसके घर पर लिव इन रिलेशनशिप में रही थी। कुछ दिनों तो ठीक रहा। बाद में 14 अक्तूबर 2021 को उसकी बेटी वहां से गायब हो गई। इसकी शिकायत आजाद नगर थाना में दर्ज है। इसकी सूचना उनको रिश्तेदारों से मिली। शिकायत में यह भी लिखा कि उनको पता चला कि उक्त पंकज बदमाश व आवारा किस्म का है। इस पर मुकदमे भी दर्ज है। पंकज नशे ?ी किस्म का है। आरोप लगाया कि पंकज ने उसकी लड़की को गायब या जान माल की हानि या उसके कोई अनहोनी ना कर दी हो। परिवार को जान का खतरा बताकर मांगी सुरक्षा इस मामले में जिले के एसपी को शिकायत दी गई है। आजाद नगर थाने में कई चक्कर काट चुकी है। पंकज उसे व उसके परिवार को केस वापस लेने और जान से मार देने की धमकी दे रहा है। उनका घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है और जान का खतरा बना है। इसलिए मांग है कि इसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और उसके परिवार की सुरक्षा की जाए। उसकी लड़की को तलाश कर बरामद किया जाए। सुनवाई में कई मामले पहुंचे जिला सभागार में महिला जनसुनवाई के दौरान महिला से जुड़े घरेलू हिंसा या दहेज प्रताड़ना व मारपीट के कई मामले पहुंचे। जनसुनवाई के दौरान राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने पुलिस थानों में लंबित और प्रक्रियाधीन हिसार, फतेहाबाद, सिरसा, जींद जिले के कुल 68 मामलों की सुनवाई की, जिनमें से 25 हिसार जिले के थे।

ईडी ने लालू यादव से लैंड फॉर जॉब घोटाले में शुरू की पूछताछ

बेटी मीसा के साथ ईडी कार्यालय पहुंचे लालू यादव

पटना (हिंस)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव लैंड फॉर जॉब घोटाले में बुधवार को सुबह बेटी मीसा भारती के साथ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पटना स्थित कार्यालय पहुंचे, जहां लालू यादव से ईडी की टीम पूछताछ कर रही है। बीते दिन यानी मंगलवार को ईडी ने राबड़ी देवी और तेज प्रताप यादव से पूछताछ की थी। दरअसल, लैंड फॉर जॉब (जमीन के बदले नौकरी) घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय ने बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव से पूछताछ की थी। पटना स्थित ईडी कार्यालय में दोनों से अलग-अलग कमरों में घंटों सवाल-जवाब किए गए। वहीं आज इस मामले में ईडी राजद सुप्रीमो लालू यादव से पूछताछ कर रही है। इससे पहले 20 जनवरी 2024 को दिल्ली और पटना की ईडी टीम ने लालू यादव और तेजस्वी यादव से एक साथ पूछताछ की थी। उस दौरान लालू यादव से 50 से अधिक सवाल पूछे गए थे। लालू ने ज्यादातर सवालों का जवाब *हां* या *ना* में ही दिया था। पूछताछ के दौरान वह कई बार नाराज भी हो गए थे। वहीं 30 जनवरी 2024 को तेजस्वी यादव से भी लगभग 10-11 घंटे तक पूछताछ की गई थी। लैंड फॉर जॉब घोटाले में ईडी की जांच जारी है। एजेंसी का दावा है कि लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते हुए कई लोगों को रेलवे में नौकरी देने के बदले उनसे जमीनें ली गई थीं।

कांग्रेस राज में पनप रहे थे बजरी माफिया, भजनलाल सरकार ने पहुंचाए सलाखों के पीछे : खाद्य मंत्री

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश कार्यालय में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कांग्रेस पार्टी की झूठ फैलाने की नीति को उजागर किया। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस राज में पनपे खनन माफिया राज की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार द्वारा इन पर की गई प्रभावी कार्रवाई को बताया। मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के नेता इन दिनों अवैध बजरी खनन को लेकर ना केवल सदन में बल्कि प्रदेशभर में अभियान चलाकर झूठ फैला रहे है। जबकि प्रदेश में अवैध खनन और खनन माफियाओं को पनपाने का काम कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकार ने ही किया था। जबकि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने खनन माफियाओं पर लगाम लगाने के उद्देश्य से तकनीक का इस्तेमाल किया और कांग्रेस की तुलना में कई गुणा अधिक मुकदमें दर्ज किए, अवैध माल वाहन जब्त किए और अवैध बजरी सीज की। खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि भाजपा की भजनलाल शर्मा की सरकार ने अवैध खनन को रोकने के लिए मजबूत इच्छा शक्ति के साथ काम किया है। हमने कांग्रेस सरकार की तुलना में इन माफियाओं के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है। अगर तथ्यों और आंक ?ों की बात करें तो वर्ष 2023 में कांग्रेस सरकार के समय बजरी अवैध खनन के कुल 1846 प्रकरण दर्ज हुए, जबकि हमारी सरकार ने 2024 में 2514 मुकदमे दर्ज किए। वर्ष 2023 में जहां 2360 लोगों को गिरफ्तार किया गया था, वहीं हमारी सरकार ने 3583 लोगों को बजरी अवैध खनन मामले में सलाखों तक पहुंचाया। वर्ष 2023 में जहां 24456 टन अवैध बजरी जब्त की गई, वहीं हमारी सरकार ने प्रभावी कार्रवाई करते हुए 1 वर्ष में 94952 टन अवैध बजरी जब्त की। कांग्रेस सरकार ने अवैध बजरी परिवहन करने वाले 2225 वाहन जब्त किए, हमने 3293 वाहन जब्त किए। इसी तरह कांग्रेस सरकार ने जहां 1 वर्ष में 67 लाख 5 हजार 630 रूपए जुर्माना वसूला था जबकि हमारी सरकार ने केवल 1 वर्ष में 4 करोड़ 73 लाख 93 हजार 686 रूपए का जुर्माना वसूला। खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि कांग्रेस राज में खनन माफियाओं द्वारा पुलिए अधीक्षक तक पर गोली चलाई, डिप्टी की जीप को छलनी किया। स्वयं गहलोत के गृह जिले में पुलिस अधिकारियों को बजरी माफिया कुचल रहे थे। वहीं अब पुलिस इन माफियाओं को सलाखों के पीछे पहुंचा रही है। 1 से 18 मार्च तक सरकार ने बजरी अवैध खनन, अवैध भंडारन पर 284 प्रकरण दर्ज किए, 29 एफआईआर दर्ज की, 235 वाहन जब्त किए और करीबन 73 लाख रूपए की शास्ति वसूल की है। कांग्रेस राज में अवैध खनन फल फूल रहा था, 2023 में सीएजी की एक रिपोर्ट ने कांग्रेस सरकार की पोल खोली। सीएजी की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ कि अवैध खनन को रोकने में विफल रहने के साथ साथ खनन विभाग ने मॉडर्न टेक्नोलॉजी का उपयोग नहीं किया, जिससे राज्य सरकार को करोड़ों का नुकसान हुआ। सीबीआई जांच की स्थायी स्वीकृति ही वीड्रा कर ली थी। खाद्य मंत्री सुमित गोदारा ने बताया कि ब्रज की पवित्र पहाड़ियों में अवैध खनन रोकने की मांग पर साधु संतों ने लगातार आवाज उठाई, लेकिन मजबूरन उन्हें आत्मदाह करना पड़ा। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अवैध खनन की रोकथाम के लिए मॉनिटरिंग हेतु जीपीएस एवं आएफआईडी यूक्त वाहनों के उपयोग का प्रावधान किया, खनन पट्टों एवं इसके आसपास अवैध खनन नहीं होना सुनिश्चित करने के लिए वार्षिक रिर्टन के साथ ड्रोन सर्वे प्रस्तुत करने का प्रावधान किया और रिवर सैंड के स्थान पर एम-सैंड नीति को बढ़ावा दिया। भविष्य में एम-सैंड नीति बजरी के अवैध खनन को रोकने की दिशा में कारगर साबित होगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सरकार ना केवल कार्रवाई कर रही है, बल्कि इन्हें जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए कृत-संकल्पित है। बगरू विधायक कैलाश वर्मा ने कांग्रेस राज में पनपे जंगलराज को मीडिया के सामने रखते हुए बताया कि पूर्व सीएम अशोक गहलोत के राज में ना तो उनका गृह जिला सुरक्षित था ना ही राजधानी। राजधानी में एक बुजुर्ग को बजरी माफियाओं ने कुचलकर मार दिया।

तीन माह से नहीं मिली पेंशन घर खर्च चलाना हुआ मुश्किल

जोधपुर (हिंस)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय के करीब ग्यारह सौ से अधिक पेंशनर्स को तीन माह से पेंशन नहीं मिली है। पेंशन नहीं मिलने से उनका घर खर्च चलाना मुश्किल हो गया है। इससे आक्रोशित पेंशनर्स रोज कुलपति कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे है लेकिन अभी तक उन्हें बकाया पेंशन का भुगतान नहीं हो पाया है। बुधवार को भी उन्होंने बकाया पेंशन के भुगतान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान पेंशनर्स ने बकाया पेंशन तथा सेवानिवृत्ति परिलाभों का तुरंत भुगतान करने की मांग रखी। साथ ही सेवानिवृत्त कार्मिकों व शिक्षकों के पीपीओ तुरंत जारी करने को कहा। पेंशनर्स सोसाइटी के अध्यक्ष प्रो. रामनिवास शर्मा के नेतृत्व में पेंशनर्स ने बुधवार को भी प्रदर्शन किया। पेंशनर्स ने तीन माह से पेंशन नहीं दिए जाने, अनेक सेवानिवृत्त कार्मिकों को 500 के शपथ पत्र लेने के उपरांत भी जारी पीपीओ नहीं दिए जाने पर रोष जताया। उन्होंने बताया कि पिछले लंबे समय से यहां पेंशन का समय पर भगुतान नहीं हो रहा है।

जनहित के कार्यों में लापरवाही स्वीकार नहीं, गड़बड़ी हुई तो कार्रवाई तय : मुख्यमंत्री

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनहित के कार्यों में लापरवाही को अस्वीकार बताया है। उन्होंने कहा है कि अच्छे लोगों की कहीं कोई कमी नहीं है, इन्हें प्रोत्साहन मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बुधवार को लाल बहादुर शास्त्री भवन स्थित सीएम कमांड सेंटर का निरीक्षण किया और प्रदेश भर में विभिन्न विभागों और परियोजनाओं के परफॉर्मेंस की भी जानकारी ली। उन्होंने विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कहा कि सिर्फ तीन कैटेगरीज ए, बी और सी के तहत विभागों और योजनाओं की मॉनीटरिंग की जानी चाहिए। इसके तहत जनपद स्तर पर प्रतिदिन, अल्टरनेट दिनों में, साप्ताहिक और पाक्षिक समीक्षा की जानी चाहिए। इसके लिए जिला स्तर पर अधिकारी की तैनाती की जाए, जो देखे कि रिपोर्ट में जो डेटा दिया जा रहा है वो कितना सही है। इसके बाद माह में एक बार मंत्री स्तर पर समीक्षा की जाए और सभी रिपोर्ट मुख्यमंत्री कार्यालय में प्रस्तुत की जाएं। मुख्यमंत्री ने वरासत, लैंड यूज जैसी सुविधाओं के निर्धारण में समय सीमा का पालन करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में फ्लैगशिप स्कीम्स की प्रगति को ट्रैक व मॉनिटर करने के लिए एक रैंकिंग प्रणाली विकसित की गई है। इसमें क्वालिटी और स्पीड पर ध्यान देना आवश्यक है। जिन विभागों और परियोजनाओं की क्वालिटी और स्पीड कमजोर है, उसे बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें भी हमारा प्रयास होना चाहिए कि ये सभी कैटेगरी परफॉर्मेंस बेस्ड हों तथा सबकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। बेहतर परफॉर्मेंस करने वाले विभागों के विषय में मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें नंबर नहीं देखना है, बल्कि हमारा फोकस क्वालिटी पर होना चाहिए। क्वालिटी और पारदर्शिता दोनों आवश्यक है। उन्होंने एमएसएमई विभाग को निर्देश दिया कि ओडीओपी को आगे बढ़ाना होगा। देखना होगा कि क्या इसमें जनपदों के विशिष्ट फूड को भी जोड़ा जा सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परफॉर्मेंस का जो डेटा विभाग देते हैं, उनकी रैंडम चेकिंग की जाए। मुख्य सचिव स्तर पर होने वाली समीक्षा बैठकों में टॉप-10 विभागों और योजनाओं पर चर्चा की जाए। जो विभाग और योजनाएं टॉप पर हैं, उनका प्रजेंटेशन सबके सामने रखा जाए और उन्हें बताया जाए कि किस तरह कार्य करना है और कहां कमी रह गई है। उनकी रिपोर्ट और सक्सेस स्टोरीज को बाकी के साथ शेयर किया जाना चाहिए। ये भी देखा जाना चाहिए कि जो लोग पीछे हैं उसके पीछे कारण क्या है। उन्होंने कड़े शब्दों में निर्देश दिए कि यदि सरकार जो स्कीम या अभियान चलाती है और अगर वह 100 प्रतिशत सैचुरेटेड नहीं होता तो उसका उद्देश्य अपूर्ण है। नियमित रूप से उनकी चेकिंग होनी चाहिए। हर विभाग अपने स्तर पर हर दिन मॉनीटरिंग करे। उन्होंने कहा कि स्कीम बनाते समय अधिकारी यह जरूर ध्यान दें कि इसका लाभ अधिकतम लोगों तक पहुंच सके। उन्होंने कहा कि केवल छोटे टार्गेट्स देकर खानापूर्ति नहीं करना चाहिए, बल्कि इसे क्षमता आधारित बनाना चाहिए। आईजीआरएस की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आईजीआरएस के संदर्भ के विषय में संतुष्टिकरण का प्रतिशत बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि रेवेन्यू, पुलिस, हेल्थ, जिला प्रशासन, नगर निगम, पंचायती राज व अन्य संबंधित विभाग शिकायतों से जुड़े पक्ष को जवाबदेह बनाएं। समस्याओं के निस्तारण को प्राथमिकता में रखते हुए टेक्नोलॉजी का उपयोग करें। महत्वपूर्ण परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्त परियोजनाएं समय पर चलें, इसको प्राथमिकता में रखते हुए आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। कानपुर मेट्रो समेत अन्य परियोजनाओं की निरंतर फोटो अपलोड किए जाने के लिए भी मुख्यमंत्री ने निर्देशित किया, ताकि अधिकारी अपडेट रहें। ई-अधियाचन के मामलों को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि समस्त अधियाचन भेजे जाने से पहले विभाग स्तर पर चेक किए जाएं। उन्होंने निवेश मित्र पेंडिंग मामलों के भी जल्द से जल्द निस्तारण के आदेश दिए।

मोबाइल का बच्चों पर हो रहा बुरा असर, 48 प्रतिशत बच्चे हैं कर्जदार

भागलपुर (हिंस)। बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य डॉक्टर सुग्रीव दास ने भागलपुर के सर्किट हाउस में बुधवार को आयोजित एक प्रेस वार्ता में कहा कि बच्चों द्वारा मोबाइल फोन उपयोग करने को लेकर राष्ट्रीय बाल विकास अधिकार संरक्षण आयोग के सर्वे में एक बड़ा खुलासा हुआ है। जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के करीब अस्सी प्रतिशत बच्चे मोबाइल फोन को काफी ज्यादा उपयोग करते हैं। जिससे मोबाइल फोन द्वारा मोबाइल गेम की खेल से 48 प्रतिशत बच्चे कर्जदार हैं। जबकि बीस प्रतिशत बच्चे का परीक्षा छूट रहा है। मोबाइल फोन के कारण हजारों बच्चे मानसिक रूप से बीमार हो रहे हैं। ये राष्ट्रीय बाल अधिकार विकास संरक्षण आयोग के एक सर्वे में खुलासा हुआ है। इसलिए बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य डॉक्टर सुग्रीव दास ने बच्चों को मोबाइल फोन से दूर रखने का आम लोगों से अपील किया है।

सरकार ने कुछ इस्पात उत्पादों पर 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने हाल में आयात में वृद्धि से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति से बचाने के लिए कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिनों के लिए 12 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की जांच शाखा व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने जारी एक अधिसूचना में घरेलू इस्पात उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 फीसदी का अस्थायी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। अधिसूचना के मुताबिक इस शुल्क पर अंतिम निर्णय वित्त मंत्रालय लेगा। यह सुरक्षा शुल्क एक अस्थायी टैरिफ अवरोध है, जो घरेलू इस्पात उद्योगों को आयात में वृद्धि से बचाने के लिए लगाया जाता है। डीजीटीआर ने 18 मार्च को जारी एक अधिसूचना में कहा है कि ऐसी गंभीर परिस्थितियां मौजूद हैं, जहां अनंतिम सुरक्षा उपायों के लिए आवेदन में किसी भी प्रकार की देरी से ऐसी क्षति होगी, जिसकी मरम्मत करना कठिन होगा। अनंतिम सुरक्षा उपायों को तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। अधिसूचना के अनुसार प्राधिकरण विचाराधीन उत्पाद के आयात पर अंतिम निर्धारण होने तक सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश करता है। यह 200 दिनों के लिए 12 फीसदी की दर से अनंतिम है। उल्लेखनीय है कि व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने पिछले साल दिसंबर में फैब्रिकेशन, पाइप विनिर्माण, विनिर्माण, पूंजीगत सामान, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और इलेक्ट्रिकल पैनल सहित विभिन्न उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले गैर-मिश्र धातु एवं मिश्र धातु इस्पात 'फ्लैट' उत्पादों के आयात में अचानक वृद्धि की जांच शुरू की थी। इस जांच में निदेशालय ने प्रारंभिक रूप से पाया है कि भारत में इन उत्पादों के आयात में हाल ही में अचानक, तीव्र और महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, जिससे घरेलू उद्योग/उत्पादकों को गंभीर क्षति पहुंचने का खतरा है।

न्यूज ब्रीफ

सीसीआई ने एडवरटाइजिंग एजेंसियों, ग्रुपएम समेत कई जगहों पर मारे छापे

नई दिल्ली। कॉम्पिटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) ने कार्रवाई करते हुए ग्रुपएम, डेंटसु, इंटरपब्लिक ग्रुप सहित कई ग्लोबल एडवरटाइजिंग एजेंसियों और एक ब्रॉडकास्टिंग इंडस्ट्री ग्रुप के कार्यालयों पर छापे मारे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सीसीआई कीमतों को लेकर कथित मिलीभगत के आरोप में इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने करीब 10 स्थानों पर तलाशी ली। यह मामला एडवर्टाइजिंग एजेंसियों और बड़े ब्रॉडकास्टर्स के विज्ञापन के रेट और डिस्काउंट तय करने में मिलीभगत करने से जुड़ा है। छापेमारी मुंबई, नई दिल्ली और गुरुग्राम में की गई। सीसीआई ने हाल ही में इस मामले में केस दर्ज किया था। सूत्रों ने बताया कि ग्रुपएम के मुंबई एयरपोर्ट के पास स्थित ऑफिस बाय 99 को सीसीआई अधिकारियों ने घेर लिया है और जांच जारी है। यह जांच कई महीनों तक चल सकती है और इस दौरान पूरी प्रक्रिया को गोपनीय रखा गया है। इंडियन ब्रॉडकास्टिंग और डिजिटल फाउंडेशन ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। सीसीआई भी अपनी इनफोर्समेंट कार्रवाई या प्राइस में मिलीभगत से जुड़े मामलों को सार्वजनिक नहीं करता। इससे पहले दिसंबर 2024 में सीसीआई ने एल्कोहल इंडस्ट्री के दिग्गज पर्नो रिकार्ड और एन्हेसर-बुश इनबेव के कार्यालयों पर छापा मारा था। यह कार्रवाई साउथ इंडिया के एक राज्य में रिटेल विक्रेताओं के साथ मूल्य मिलीभगत के आरोपों को लेकर की गई थी।

वोडा आईडिया ने लॉन्च की 5जी, शुरुआती ऑफर 299 रुपए से

नई दिल्ली। टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) ने बुधवार से भारत में अपनी 5जी सेवाएं लॉन्च कर दी। कंपनी ने बताया कि उसने 5जी सेवाओं की शुरुआत मायानगरी मुंबई से की है और जल्द ही पांच और शहरों में यह सेवा शुरू की जाएगी। टेलीकॉम कंपनी इस नई सेवा के जरिए ग्राहकों के पलायन को रोकने और दुनिया के दूसरे सबसे बड़े टेलीकॉम बाजार में अपने बड़े प्रतिद्वंद्वियों के मुकाबले मजबूत स्थिति हासिल करने की कोशिश कर रही है। बाजार खुलते ही वोडा आईडिया (वीआई) के शेयरों में 4 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई। एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनी ने कहा कि वीआई का 5जी शुरुआती ऑफर 299 के प्लान से शुरू होता है, जिसमें ग्राहकों को अनलिमिटेड 5जी डेटा मिलेगा। यह ऑफर बाजार में सबसे किफायती विकल्प है। नई 5जी सेवा से वीडियो स्ट्रीमिंग, ओटीटी ऐप्स, ऑनलाइन गेमिंग, वीडियो कॉल और कॉन्फ्रेंसिंग का अनुभव बेहतर होगा। इसके साथ ही डाउनलोडिंग की स्पीड भी बढ़ेगी। हालांकि इस शुरुआती ऑफर की अवधि को लेकर फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है। शेयर बाजार को दी सूचना में कंपनी ने बताया कि बेहतर कनेक्टिविटी अनुभव सुनिश्चित करने के लिए वीआई ने नोकिया के साथ साझेदारी की है। कंपनी ने अपने 5जी नेटवर्क में नई पीढ़ी के उपकरणों को शामिल किया है, जो न केवल हल्के हैं बल्कि ऊर्जा-कुशल भी हैं, जिससे नेटवर्क अधिक सस्टेनेबल बनता है। इसके अलावा, वीआई ने एआई-आधारित सन सिस्टम भी तैनात किया है, जो नेटवर्क प्रदर्शन को लगातार ऑप्टिमाइज करता है ताकि उपभोक्ताओं को बेहतरीन अनुभव मिल सके।

लिटिल ग्रेसी' तीन वेरिएंट में लॉन्च

नई दिल्ली। अपने पोर्टफोलियो में इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता जेलियो ई मोबिलिटी ने एक नया स्कूटर 'लिटिल ग्रेसी' जोड़ा है। इस स्कूटर को खासतौर पर 10 से 18 वर्ष की उम्र के युवाओं के लिए डिजाइन किया गया है। कंपनी ने इसे तीन वेरिएंट में लॉन्च किया है, जिसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 49,500 रुपये रखी गई है। लिटिल ग्रेसी के एंट्री-लेवल मॉडल में 48वी/32एएच लीड-एसिड बैटरी दी गई है, जो 7-8 घंटे में चार्ज होकर 55-60 किलोमीटर तक की रेंज प्रदान करती है। इसका मिड-टियर वेरिएंट 60वी/32एएच लीड-एसिड बैटरी के साथ आता है, जो 70 किलोमीटर तक की रेंज देता है और इसकी कीमत 52,000 रुपये रखी गई है। वहीं, टॉप-एंड वेरिएंट 60वी/30एएच लिथियम-आयन बैटरी से लैस है, जिसकी कीमत 58,000 रुपये है और यह 70-75 किलोमीटर तक की रेंज देता है। सभी वेरिएंट 48/60वी बीएलडीसी मोटर से संचालित होते हैं, जो अधिकतम 25 किमी प्रति घंटे की गति प्रदान करता है। इस इलेक्ट्रिक स्कूटर में डिजिटल डिस्प्ले, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट, कीलेस ड्राइव, रिवर्स गियर, पार्किंग स्विच और एंटी-थेफ्ट अलार्म जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। सुरक्षा के लिए इसमें हाइड्रोलिक सस्पेंशन और दोनों पहियों में ड्रम ब्रेक दिए गए हैं। इसका कुल वजन 80 किलोग्राम है और यह 150 किलोग्राम तक का भार वहन कर सकता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में तेजी का रुख

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। ब्याज दरों को लेकर अमेरिकी फेडरल रिजर्व फेड का फैसला आने के पहले वॉल स्ट्रीट के सूचकांक पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करते हुए नजर आए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर मजबूती नजर आ रही है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों के संबंध में अपने फैसले का ऐलान करने वाला है। फेड के फैसले के पहले अमेरिकी बाजार में दबाव नजर आया, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 1.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,614.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 304.55 अंक यानी 1.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,504.12 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.10 प्रतिशत की तेजी के साथ 41,621.60 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा।

एफटीएसई इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 8,705.23 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,114.57 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 226.13 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,380.70 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख नजर आ रहा है।

एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। ताइवान वेटेड इंडेक्स 172.39 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 22,099.28 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.06 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 3,427.76 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.25 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,953 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.52 प्रतिशत उछल कर 3915.25 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

सेट कंपोजिट इंडेक्स ने 1 प्रतिशत से अधिक की छलांग लगाने में सफलता हासिल की है। फिलहाल यह सूचकांक 1.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,190.70 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.87 प्रतिशत की बढ़त के साथ 2,635.21 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 161.92 अंक यानी 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,007.34 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,246.75 अंक के स्तर पर और हैंग सेंग इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,774.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

जीरोधा ओवरनाइट फंड लॉन्च, 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं

नई दिल्ली। म्युचुअल फंड हाउस जीरोधा ने बुधवार को जीरोधा ओवरनाइट फंड लॉन्च किया। यह एक ओपन एंडेड डेट स्कीम है जो ओवरनाइट सिक्योरिटीज में निवेश करती है। इस स्कीम में तुलनात्मक रूप से कम ब्याज दर जोखिम और कम क्रेडिट जोखिम होता है। यह एनएफओ बुधवार से सब्सक्रिप्शन के लिए खुल गया है। निवेशक 2 अप्रैल 2025 तक इस न्यू फंड ऑफर में पैसा लगा सकते हैं। जीरोधा म्युचुअल फंड के इस न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) में निवेशक मिनिमम 100 से निवेश शुरू कर सकते हैं, और उसके बाद 1 रुपए के मल्टीपल में निवेश कर सकते हैं। इस स्कीम में कोई लॉक इन पीरियड नहीं है और न ही कोई एग्जिट लोड है। इस स्कीम का बेंचमार्क हैं। केदारनाथ मिरजकर इस एनएफओ के फंड मैनेजर हैं। फंड हाउस के मुताबिक निवेश का मकसद हासिल करने के लिए यह एनएफओ मुख्य रूप से थर्ड-पार्टी रेपो, डेट, मनी मार्केट सिक्योरिटीज, कैश और कैश इक्विवेलेंट्स में निवेश करेगी, जिनकी मैच्योरिटी एक रात की होगी। इस स्कीम का प्राथमिक उद्देश्य कम जोखिम के साथ रिटर्न जनरेट करना और उच्च स्तर की लिक्विडिटी प्रदान करेगी। इसके अलावा यह स्कीम सेबी रेजुलेशन, 1996 के तहत अन्य म्युचुअल फंड स्कीम्स में भी निवेश कर सकती है।

बैंक और बिल्डर्स के बीच सांठ-गांठ को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

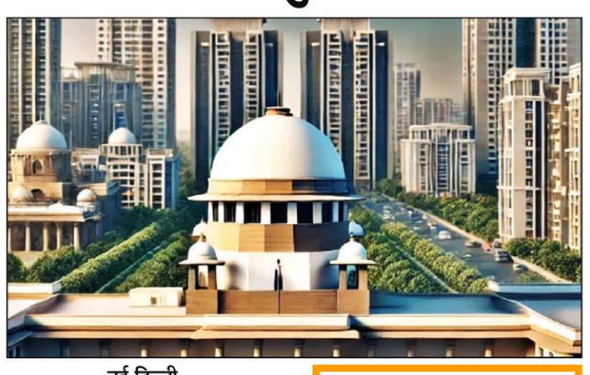

नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर के प्रॉपर्टी मार्केट में बैंक और बिल्डर्स के बीच सांठगांठ को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त हो गया है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को निर्देश दिया कि वह दो सप्ताह के अंदर एक प्रस्ताव पेश करे कि वह सब्सिडी योजनाओं के तहत रुकी हुई आवासीय परियोजनाओं के संबंध में बैंकों और रियल एस्टेट डेवलपर्स के बीच कथित सांठगांठ की जांच कैसे करना चाहता है।

कोर्ट ने कहा कि इस तरह की मिलीभगत ने दिल्ली-एनसीआर में हजारों घर खरीदारों के लिए परेशानी पैदा कर दी गई है। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने कहा कि सीबीआई के पास इन मुद्दों की जांच के लिए जरूरी एक्सपर्ट्स और रिसोर्सेज हैं, जिससे यह साफ हो गया कि सब्सिडी स्कीम में प्रणालीगत कमियों की जांच जरूरी है। दोनों जजों की बेंच ने कहा कि एक बात हम स्पष्ट रूप से कह रहे हैं कि हम मामले को सीबीआई को भेजेंगे। हम समस्या की जड़ तक जाना चाहते हैं। यह मामला नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और एनसीआर के अन्य शहरों में रहने वाले हजारों घर खरीदारों से जुड़ा है, जिन्होंने आरोप लगाया है कि बैंकों ने उचित जांच-पड़ताल किए बिना ही सबवेंशन स्कीम के तहत डेवलपर्स को लोन मंजूर कर दिया है। जब, बिल्डरों ने अपने वादों को पूरा नहीं किया, तो ईएमआई भुगतान का बोझ घर खरीदारों पर डाल दिया, जिनमें से कई को अभी तक कब्जा तक नहीं मिला है। सुप्रीम कोर्ट के 4 मार्च के आदेश में कहा गया है कि बार-बार निर्देश देने के बावजूद, ज्यादातर बिल्डर्स, बैंक और अंतरिम समाधान कंस्ट्रक्शन कंपनी प्रोजेक्ट के कंपलीशन की स्थिति और फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन पर अनुपालन हलफनामा पेश करने में विफल रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इन आदेशों की स्पष्ट रुप से अवहेलना बैंकों और बिल्डरों के बीच संभावित मिलीभगत का इशारा करती है।

दिल्ली-एनसीआर में हजारों घर खरीदार परेशान, अब सीबीआई करेगी जांच

कोयला मंत्रालय ने राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के पहले चरण का सफलतापूर्वक किया समापन

नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय ने राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत बड़े पैमाने पर पहल (एलएसआई) के पहले चरण को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य निदेशक स्तर तक के अधिकारियों में सेवा भाव की भावना को और सबल बनाने के लिए प्रोत्साहन देना है। कोयला मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि मंत्रालय ने राष्ट्रीय कर्मयोगी कार्यक्रम के तहत व्यापक स्तर पर हस्तक्षेप (एलएसआई) के चरण-1 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह प्रशिक्षण सत्र 27-28 फरवरी और 11-12 मार्च को सिविल सेवा अधिकारी संस्थान, नई दिल्ली में आयोजित किए गए। सार्वजनिक सेवा और राष्ट्र निर्माण के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करने के लिए तैयार किए गए चार परस्पर वार्तालाप प्रशिक्षण सत्रों में 120 से अधिक अधिकारियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इसका उद्देश्य सरकारी अधिकारियों की दक्षता और कौशल विकास को बढ़ाना है। कोयला मंत्रालय के संयुक्त सचिव और सीबीयू प्रमुख बी. पी. पति ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए देश के भविष्य को आकार देने में सार्वजनिक सेवा की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सार्वजनिक सेवा एक प्रगतिशील राष्ट्र की आधारशिला है। यह पहल कौशल संवर्धन से कहीं आगे बढ़ते हुए सार्थक परिवर्तन लाने और नागरिकों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डालने के हमारे दायित्व की पुष्टि है। देश की प्रगति को आगे बढ़ाने में हर अधिकारी की अहम भूमिका होती है।

स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में कदम रखने को तैयार एलआईसी, 31 मार्च से पहले हो सकता हैं ऐलान

मुंबई

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) संभवतः चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक एक स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा कर सकती है। यह जानकारी एलआईसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सिद्धार्थ मोहंती ने दी। हालांकि, मोहंती ने उस कंपनी का नाम नहीं बताया जिसमें एलआईसी में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है। मोहंती ने कहा, हमारे पास इस काम को लेकर योजनाएं हैं। अभी इसकी चर्चा अंतिम चरण में हैं। स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में कदम रखना एलआईसी के लिए एक स्वाभाविक विकल्प है। चूंकि रेगुलेटरी परमिशन में समय लगता है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि इस वित्तीय वर्ष के भीतर, यानी 31 मार्च से पहले, कोई फैसला हो जाएगा।

वित्तीय वर्ष 25 की पहली तिमाही में, एलआईसी ने कहा था कि वह स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र में कदम रखने के लिए एक स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने की योजना बना रही है। अभी यहां स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियां हैं जिसमें स्टार हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस, निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस, केयर हेल्थ इंश्योरेंस, आदित्य बिरला हेल्थ इंश्योरेंस, मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस, नारायणा हेल्थ इंश्योरेंस और गैलेक्सी हेल्थ इंश्योरेंस शामिल हैं। इसके अलावा, मोहंती ने कहा कि एलआईसी ने भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से अतिरिक्त लॉन्ग टर्म के बॉन्ड जारी करने का अनुरोध किया है। एलसआईसी ने पहले 40 साल के बॉन्ड की मांग की थी, इस आरबीआई ने मंजूरी दे दी थी। अब एलआईसी 50 साल और 100 साल के बॉन्ड के लिए आरबीआई के साथ चर्चा कर रही है। मोहंती ने कहा कि हम लॉन्ग टर्म के निवेशक हैं। हमारे पास अनुबंध के अनुसार भुगतान करने की संविदात्मक जिम्मेदारियां हैं।

रेज पावर इंफ्रा को 2000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ईपीसी परियोजनाएं मिलीं

असम और मध्य प्रदेश में कंपनी 1,600 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लिए एल1 बोलीदाता के रूप में उभरी

नई दिल्ली

सौर ऊर्जा समाधान रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड ने महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाएं हासिल की हैं।

रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि कंपनी को महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) परियोजनाएं मिली हैं। इसके अलावा असम और मध्य प्रदेश में कंपनी को 1,600 करोड़ रुपये मूल्य की ईपीसी परियोजनाओं के लिए एल1 बोलीदाता भी घोषित किया गया है, जिसके लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) का इंतजार है।

कंपनी के प्रबंध निदेशक केतन मेहता ने कहा, हमारी हालिया बोली जीत में मिलीं परियोजनाएं अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में हमारी उपस्थिति की पुष्टि करती है। उन्होंने कहा कि सौर ईपीसी परियोजनाओं को क्रियान्वित करने में विशेषज्ञता के साथ-साथ रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड सौर और हाइब्रिड अक्षय समाधानों की तैनाती में तेजी लाने के लिए प्रतिबद्ध है। मेहता ने कहा कि ये नई परियोजनाएँ स्वच्छ ऊर्जा समाधानों को आगे बढ़ाने के लिए रेज पावर इंफ्रा की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

उल्लेखनीय है कि रेज पावर इंफ्रा लिमिटेड सौर ऊर्जा पार्कों के विकास और कार्यान्वयन के व्यवसाय में है, जो ग्राहकों की जरूरतों के अनुरूप सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए व्यापक, एंड टू एंड सेवाएं प्रदान करता है। इनमें स्वतंत्र बिजली उत्पादकों (आईपीपी) सह-डेवलपर्स, बड़ी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों (सीपीएसयू) और कॉर्पोरेट तथा संस्थागत ग्राहकों (सीएंडआई) को इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) सेवाएं प्रदान करना शामिल है, जो भारत में अक्षय ऊर्जा की बढ़ती मांग को पूरा करता है।

सेफगार्ड ड्यूटी लगाने के अनुमान के बीच स्टील स्टॉक्स में आई जबर्दस्त तेजी

नई दिल्ली। स्टील के आयात पर सेफगार्ड ड्यूटी लगाने के अनुमान के चलते स्टील स्टॉक्स में बुधवार को तेजी देखने को मिली। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) ने कुछ स्टील प्रोडक्ट्स के आयात पर 12 फीसदी सेफगार्ड ड्यूटी लगाने की सिफारिश की है। इस खबर के बाद एनएमडीसी स्टील और सेल समेत स्टील कंपनियों के शेयरों में बीएसई पर शुरुआती कारोबार में 8 फीसदी तक की तेजी आई है। एनएमडीसी स्टील के शेयर 8 फीसदी बढ़कर 36.33 रुपए के इंट्राडे हाई पर पहुंच गया। स्टील अथॉरिटी का शेयर 5 फीसदी बढ़कर 114.40 रुपए हो गया। जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा स्टील, जिंदल स्टील एंड पावर और एपीएल अपोलो समेत अन्य स्टील स्टॉक में 2-3 फीसदी का उछाल आया। मेटल इंडेक्स में भी उछाल देखा गया। निफ्टी मेटल इंडेक्स 1.22 फीसदी बढ़कर 9,155.95 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। खबरों के मुताबिक शुरुआती जांच के बाद डायरेक्टरेट जनरल ऑफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) ने चुनिंदा सामान पर 12 से 15 फीसदी सुरक्षा शुल्क लगाने की सिफारिश की है। बाजार से जुड़े सूत्रों ने कहा कि सुरक्षा शुल्क के अनुमान के कारण आयात बुकिंग नीचे आई है, जिससे कीमतों को समर्थन मिला। डीजीटीआर ने घरेलू उद्योग को बड़े नुकसान से बचाने 200 दिनों के लिए इस अस्थायी शुल्क का सुझाव दिया है। सुरक्षा शुल्क लगाए जाने की खबरों के बीच पिछले कुछ महीनों में घरेलू स्टील की कीमतों में बढ़ोतरी देखी गई है। हालांकि, वैश्विक व्यापार युद्ध के खतरे के बढ़ने से आयात में वृद्धि और निर्यात घटने का जोखिम बना हुआ है। भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा स्टील प्रोडक्शन करने वाला देश है। भारत को चीन से सस्ते सटीक सामना करना पड़ रहा है। इससे छोटी घरेलू मिलों के ऑपरेशंस पर असर पड़ रहा है। इस वजह से कुछ कंपनियों को अपना संचालन कम करना पड़ा है। यहां तक कि कर्मचारियों को भी नौकरी से निकालना भी पड़ा है।

स्विस ओपन 2025 : त्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी दूसरे दौर में, पुरुष एकल में भारतीय चुनौती मजबूत

बासेल

भारतीय महिला युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने स्विट्जरलैंड के बासेल में जारी स्विस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है।

दुनिया की नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी ने स्विट्जरलैंड की एलाइन मुलर और नीदरलैंड की केली वान बुइटन को 21-16, 21-17 से केवल 32 मिनट में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अब वे जर्मनी की सेलिन हब्सच और एमेली लेहमैन के खिलाफ खेलेंगी।

हालांकि, त्रीसा और गायत्री, जो इस टूर्नामेंट में चौथी वरीयता प्राप्त हैं, महिला युगल में बची एकमात्र भारतीय चुनौती हैं। अन्य भारतीय जोड़ियां प्रिया कोंजेंगबाम-श्रुति मिश्रा और वर्षिनी विश्वनाथ श्री-आरती सारा सुनील पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं। प्रिया-श्रुति की जोड़ी को तुर्किये की नाज़लिकन इंसी और बेंगिसु एरचेतिन ने 21-11, 21-19 से हराया। वहीं, वर्षिनी-आरती नीदरलैंड की डेबोरा जिल और डेनमार्क की सारा थाइगेसन के खिलाफ 21-13, 21-13 से हार गईं।

पुरुष एकल में अयुष शेट्टी और संकर मुथुसामी मुख्य ड्रॉ में पहुंचे

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अयुष शेट्टी और एस संकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। आयुष शेट्टी (दुनिया के 44वें नंबर के खिलाड़ी) ने पहले दौर में इंग्लैंड के चोलन कायन (रैंक 161) को 21-12, 21-15 से हराया। इसके बाद, उन्होंने फ्रांस के राफेल गावियोस (रैंक 400) को केवल 23 मिनट में 21-6, 21-8 से हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई। अब वह जापान के केंटा निशिमोटो (2018 जकार्ता एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

संकर मुथुसामी ने भी क्वालिफायर में दो शानदार जीत दर्ज कीं। पहले दौर में उन्होंने इंग्लैंड के यूहेन वांग को 21-13, 21-4 से मात दी। फिर अपने ही हमवतन थरुण मानेपाल्ली को 21-7, 21-10 से हराकर मुख्य ड्रॉ में पहुंचे। अब संकर मुथुसामी (रैंक 64) पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन से भिड़ेंगे।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैचों में नहीं खेल सकेंगे बुमराह- महेला जयवर्धने

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने स्पष्ट किया है कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। जयवर्धन ने यह नहीं बताया कि बुमराह कब तक मैदान में वापसी करेंगे। जानकारी के अनुसार बुमराह बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। जयवर्धने को उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ेंगे। जयवर्धने ने मीडिया से बातचीत में कहा, बुमराह ने अपनी रिकवरी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमें देखना होगा कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम की ओर से क्या अपडेट मिलता है। अभी तक सबकुछ सही दिशा में जा रहा है, लेकिन यह दिन-प्रतिदिन की प्रक्रिया है। जयवर्धने ने बुमराह की अनुपस्थिति को मुंबई इंडियंस के लिए एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा, बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने कई सालों तक हमारी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उनका नहीं होना हमारे लिए मुश्किल होगा, लेकिन यह किसी और गेंदबाज के लिए खुद को साबित करने का अवसर भी हो सकता है। उल्लेखनीय है कि बुमराह जनवरी 2025 से क्रिकेट से बाहर हैं, जब वह सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी भी मिस कर दी। उनकी फिटनेस को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है। मुंबई इंडियंस के पूर्व गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने हाल ही में बुमराह को अत्यधिक वर्कलोड से बचने की सलाह दी थी, ताकि वह अपने करियर को लंबा खींच सकें।

उरुग्वे के कोच बिएल्सा ने वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए छह नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया

मोंटेवीडियो। उरुग्वे के मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा ने अर्जेंटीना और बोलिविया के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अपनी टीम में छह नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। बिएल्सा द्वारा चुने गए नए खिलाड़ी लोकल क्लबों से हैं, जिनमें फॉरवर्ड पाब्लो सुआरेज, मिडफील्डर जर्मन बारबास, मिडफील्डर एरिको कुएलो, डिफेंडर पैट्रिसियो पैसिफिको, सेंटर-बैक पाओलो कैलियोन और विंगर लुकास अगाजी का नाम शामिल है। उम्मीद के मुताबिक, लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फेडेरिको वाल्वेर्दे, टॉटनहैम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर और बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को भी टीम में जगह दी गई है। उरुग्वे की टीम शुक्रवार को मोंटेवीडियो में अर्जेंटीना से भिड़ेगी, जबकि अगले मंगलवार को एल आल्टो में बोलिविया के खिलाफ खेलेगी। दस टीमों की दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप तालिका में उरुग्वे 12 मैचों में 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अर्जेंटीना 25 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई है।

इतालवी फुटबॉलर एंटोनियो कंद्रेवा ने लिया संन्यास

रोम। इटली के फुटबॉल खिलाड़ी एंटोनियो कंद्रेवा ने 38 वर्ष की उम्र में मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की घोषणा की, जिससे उनका करीब 20 साल का करियर समाप्त हो गया। रोम में जन्मे कंद्रेवा मुख्य रूप से दाएं विंगर के रूप में खेलते थे और उन्होंने जुवेंटस, लाजियो, इंटर मिलान सहित कई अन्य क्लबों के लिए खेलते हुए 500 से अधिक सेरी ए मैचों में हिस्सा लिया। हालांकि, वह अपने करियर में केवल एक प्रमुख ट्रॉफी जीत सके, जब उन्होंने 2012-13 सीजन में लाजियो के साथ कोपा इटालिया का खिताब अपने नाम किया। कंद्रेवा पिछले सीजन में सालेर्नितना के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद से फ्री एजेंट थे और पिछले महीने उन्होंने अपना 38वां जन्मदिन मनाया था। इस अनुभवी खिलाड़ी ने 2009 में इटली की राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू किया था और अपने करियर में कुल 54 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने 7 गोल किए।

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025

पैंथर्स, विंग्स, क्लासिक और वॉरियर ने दर्ज की जीत

देहरादून

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के तहत बुधवार को चार अहम मुकाबले खेले गए, जिनमें सचिवालय पैंथर्स, विंग्स, सचिवालय क्लासिक और सचिवालय वॉरियर ने शानदार जीत दर्ज की।

महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले मुकाबले में सचिवालय पैंथर्स ने सचिवालय राइजिंग को 3 विकेट से हराया। सचिवालय राइजिंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 125 रन बनाए, जिसमें अमित सतवाल (45) और संदीप (27) ने उपयोगी पारियां खेलीं। पैंथर्स की ओर से अजीत शर्मा ने 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए पैंथर्स ने प्रमोद नेगी (48) और अजीत शर्मा (36) की पारियों के दम पर जीत हासिल की। शुभम ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच अजीत शर्मा को चुना गया।

दीपक सैनी ने सर्वाधिक 39 रन बनाए

दूसरे मुकाबले में विंग्स ने रॉयल स्ट्राइकर्स को 48 रनों से हराया। विंग्स ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 145 रन बनाए, जिसमें संजय जोशी ने 37 रन जोड़े। जवाब में रॉयल स्ट्राइकर्स की टीम 97 रनों पर ऑल आउट हो गई। दीपक सैनी ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि विंग्स के दीपक पंवार ने 4 विकेट झटके। मैन ऑफ द मैच दीपक पंवार को मिला।

इसके अलावा दून हैरिटेज क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में सचिवालय क्लासिक ने ईगल्स को 2 रनों से हराया। सचिवालय क्लासिक ने पहले खेलते हुए 5 विकेट पर 165 रन बनाए, जिसमें सुशील बिष्ट (54) और रमेश (44) ने अहम योगदान दिया। ईगल्स की टीम 163 रनों पर ऑल आउट हो गई। तेजपाल ने 39 रन बनाए, जबकि क्लासिक के सुशील बिष्ट ने 3 विकेट चटकाए। मैन ऑफ द मैच सुशील बिष्ट रहे।

अगले मुकाबले में सचिवालय वॉरियर ने सचिवालय सुपर किंग्स को 11 ओवर में 3 विकेट से मात दी। सुपर किंग्स ने पहले खेलते हुए 150 रन बनाए, जिसमें अमित तोमर ने 32 रन जोड़े। वॉरियर की ओर से राजीव तड़ियाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए अशोक बिष्ट की 83 रनों की धमाकेदार पारी से वॉरियर ने जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच राजीव तड़ियाल बने।

आईपीएल 2025: सीजन के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे क्योंकि पूर्णकालिक कप्तान हार्दिक पांड्या एक मैच के प्रतिबंध के कारण पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। हार्दिक ने बुधवार को मीडिया से कहा, जब मैं नहीं रहूंगा तो सूर्या आदर्श विकल्प होंगे। हार्दिक को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 2024 सीजन के मुंबई के आखिरी मैच में धीमी ओवर गति के लिए एक मैच के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। चूंकि यह हार्दिक का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए उन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया था, जो इस सीजन के शुरुआती मैच में भी जारी रहेगा। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी पुष्टि की कि फ्रेंचाइजी को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अभियान के शुरुआती मैच के लिए हार्दिक की अनुपलब्धता के बारे में औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। हार्दिक ने कहा, पिछले साल, जो हुआ वह खेल का हिस्सा था। हमने आखिरी ओवर में डेढ़ या दो मिनट देरी से गेंदबाजी की। उस समय, मुझे नहीं पता था कि इसके क्या परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मुझे लगता है कि नियम ऐसा कहते हैं। इसका मतलब है कि मुझे प्रक्रिया के साथ चलना होगा। 2023 में सूर्यकुमार यादव, जो वर्तमान में भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान हैं, ने एक आईपीएल मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी।

तेलंगाना सरकार ने खेल बजट में की 100 करोड़ की वृद्धि, युवा इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की घोषणा

हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा में बुधवार को प्रस्तुत वार्षिक बजट के दौरान राज्य के खेल क्षेत्र के लिए 465 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। पिछले बजट की तुलना में इसमें 100 करोड़ रुपये की वृद्धि की गयी है।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बजट पेश करते हुए कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद के बाहरी इलाके हकीमपेट में 200 एकड़ में 'यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' की स्थापना कर रही है, जिसका उद्देश्य विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को तैयार करना है। इस विश्वविद्यालय में 12 विशेष खेल अकादमियां स्थापित की जाएंगी, जहां विभिन्न खेलों में उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि फ्यूचर सिटी में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक अत्याधुनिक 'स्पोर्ट्स हब' विकसित किया जाएगा, जिससे तेलंगाना को खेल उत्कृष्टता का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। इस स्पोर्ट्स हब में स्पोर्ट्स साइंस सेंटर और स्पोर्ट्स मेडिसिन सेंटर होंगे, जो वैज्ञानिक प्रशिक्षण, प्रदर्शन अनुकूलन और चोट प्रबंधन जैसी सुविधाएं प्रदान करेंगे, जिससे खिलाड़ियों का समग्र विकास अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप हो सकेगा।

खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर सराहना

उप मुख्यमंत्री ने राज्य के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, बॉक्सर निखत जरीन और पैरा-एथलीट दीप्ति जीवनजी का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद सिराज ने टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन किया और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई। निखत जरीन को वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मिली जीत के लिए बधाई देते हुए उन्होंने बताया कि सिराज और निखत दोनों को डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) पद से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा उन्होंने पैरा-एथलीट दीप्ति जीवनजी के प्रेरणादायक सफर का जिक्र किया और बताया कि उन्हें ग्रुप-2 सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दीप्ति जीवनजी ने 2024 पैरालंपिक्स में पदक जीतकर इतिहास रच दिया, वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली राज्य की पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए डिवाइन, केर, और ताहूहू की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, अमेलिया केर और ली ताहूहू की न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम में वापसी हुई है। इस बीच, श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद, सूजी बेट्स अंतरिम कप्तान बनी रहेंगी। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज अभी भी हिप फ्लेक्सर की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

शिवाजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट : ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने दर्ज की जीत

भोपाल। शिवाजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत एक अनूठे और प्रेरणादायक मुकाबले का आयोजन हुआ, जिसमें ब्लाइंड क्रिकेट टीम और शिवाजी क्रिकेट टीम के बीच रोमांचक मैच खेला गया। इस मुकाबले ने क्रिकेट प्रेमियों को यह संदेश दिया कि सच्ची प्रतिभा और जुनून किसी भी शारीरिक सीमा में नहीं बंधते। टॉस जीतकर ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 117 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के खिलाड़ियों ने अनुशासित खेल और बेहतरीन शॉट्स से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इसके जवाब में जब शिवाजी क्रिकेट टीम मैदान में उतरी, तो उन्हें ब्लाइंड क्रिकेट टीम की सधी हुई गेंदबाजी और चुस्त फील्डिंग के आगे संघर्ष करना पड़ा। पूरी टीम 10 ओवरों में मात्र 52 रन ही बना सकी, जिससे ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच के दौरान मध्यप्रदेश ब्लाइंड क्रिकेट टीम के कप्तान और इंटरनेशनल खिलाड़ी सोनू गोवलकर, दामोह की महिला क्रिकेटर एवं मध्यप्रदेश महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सुषमा पटेल की विशेष उपस्थिति रही। इस ऐतिहासिक आयोजन के सूत्रधार डॉ. विपिन तिवारी रहे, जिन्होंने इस प्रेरणादायक मुकाबले को आयोजित कर खिलाड़ियों की अदम्य इच्छाशक्ति और खेल भावना को मंच प्रदान किया। यह मुकाबला महज एक क्रिकेट मैच नहीं था, बल्कि यह एक सशक्त संदेश था कि दृढ़ इच्छाशक्ति और कड़ी मेहनत से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

'रन फॉर राम' हॉफ मैराथन के लिए 40,000 से अधिक धावक तैयार, राम नगरी अयोध्या में होगा भव्य आयोजन

नई दिल्ली

रामनगरी अयोध्या एक बार फिर आस्था और फिटनेस के संगम की साक्षी बनेगी, जब 13 अप्रैल को क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित 'रन फॉर राम' हॉफ मैराथन का तीसरा संस्करण संपन्न होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खेल प्रकोष्ठ क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित यह प्रतिष्ठित मैराथन, जिसे 'संकल्पका मैराथन' नाम दिया गया है, केवल एक दौड़ नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से प्रेरित भक्ति और समुदायिक समर्पण का प्रतीक है।

2023 और 2024 में जबरदस्त सफलता प्राप्त करने के बाद, क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में इस वर्ष 40,000 से अधिक धावकों को शामिल करने की तैयारी की जा रही है। राम जन्मभूमि से प्रेरित इस मैराथन का आयोजन 14 कोसी परिक्रमा के महत्व को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, जो शारीरिक सहनशक्ति, आध्यात्मिक समर्पण और सामूहिक एकता का प्रतीक है।

तीन श्रेणियों में होगी दौड़

इस मैराथन में 3 प्रमुख श्रेणियां शामिल होंगी— 1. 21 किलोमीटर हाफ मैराथन 2. 10 किलोमीटर दौड़, 3. तीन किलोमीटर परिवार एवं आनंद दौड़।

ये सभी दौड़ अयोध्या के पवित्र राम पथ और भक्ति पथ को समाहित करेंगी, जिससे प्रतिभागियों को धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का अनुभव भी मिलेगा। इस दौड़ में पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग भाग ले सकेंगे। यह न केवल शारीरिक क्षमता की परीक्षा होगी, बल्कि श्रद्धा और परंपरा से जुड़ने का भी एक अवसर प्रदान करेगी।

संकल्प, स्वास्थ्य और भक्ति का संगम

क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा, रन फॉर राम' अब केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुका है, जो पूरे देश से श्रद्धालुओं और फिटनेस प्रेमियों को एक साथ जोड़ता है। यह केवल शारीरिक दक्षता को परखने की दौड़ नहीं, बल्कि एक सामूहिक संकल्प (संकल्पका) है कि हम श्रीराम के आदर्शों को अपनाते हुए अनुशासित, स्वस्थ और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ें। रामलला की पावन नगरी अयोध्या हम सभी को प्रेरित करती है। पिछले दो वर्षों में 'रन फॉर राम' को देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं और धावकों का भरपूर समर्थन मिला है। इस वर्ष भी क्रीड़ा भारती इस आयोजन के माध्यम से लोगों में स्वास्थ्य, अनुशासन और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाएगा।

5 अप्रैल को होगी प्रेस वार्ता

आयोजकों के अनुसार, इस भव्य मैराथन के आयोजन को लेकर 5 अप्रैल को अयोध्या सहित विभिन्न स्थानों पर प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी। आयोजकों को पूर्ण विश्वास है कि 'रन फॉर राम 2025' अयोध्या को एक बार फिर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा और साथ ही, एकता एवं कल्याण के मूल्यों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सविता ने गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने पर कहा- टीम के बिना यह संभव नहीं था

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता को हॉकी इंडिया के 7वें वार्षिक पुरस्कार 2024 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला) और हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी शानदार हॉकी यात्रा में एक और उपलब्धि जोड़ता है, लेकिन सविता के लिए यह सिर्फ व्यक्तिगत सफलता नहीं बल्कि उन सभी लोगों की मान्यता है जिन्होंने उनकी इस सफलता में योगदान दिया है।

तीसरी बार हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड जीतने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए सविता ने कहा, बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। इस साल कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, इसलिए मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह पुरस्कार मुझे मिलेगा। हर खिलाड़ी को उसकी मेहनत के लिए पहचान मिलना अच्छा लगता है और मैं इस सम्मान के लिए आभारी हूं।

उन्होंने हॉकी इंडिया की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा, हमारी टीम में हम सब एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और हर खिलाड़ी की सफलता की कामना करते हैं। कोई भी खिलाड़ी अकेले कुछ हासिल नहीं कर सकता, टीम के बिना यह संभव नहीं था।

इस साल सविता व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो पाईं। उन्होंने टोरंटो, कनाडा से अपने ससुराल वालों के साथ लाइव प्रसारण देखा। सविता ने यह पुरस्कार अपने परिवार को समर्पित किया और कहा, मेरे पति और उनका परिवार हॉकी को लेकर बहुत सहयोगी रहा है। कई खिलाड़ियों पर शादी के बाद खेल छोड़ने का दबाव होता है, लेकिन उन्होंने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनका समर्थन मिला।

हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर जीतने पर सविता ने अपने खेल की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, हर बचाव के पीछे घंटों की मेहनत होती है। फुटवर्क, फुर्ती, रिफ्लेक्स और पोजिशनिंग पर लगातार अभ्यास किया जाता है। हमारे कोचों ने भी मेरे खेल को निखारने के लिए कड़ी मेहनत की है।

पिछला साल सविता के लिए खास रहा, खासकर हीरो हॉकी इंडिया लीग में जहां उन्होंने सूरमा हॉकी क्लब की अगुवाई की। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया ने महिला हॉकी लीग कराने का वादा पूरा किया और हम सभी इसके लिए आभारी हैं। यह टूर्नामेंट हमारे व्यक्तिगत कौशल को निखारने में बहुत सहायक रहा।

सविता को इन पुरस्कारों के साथ बड़ी धनराशि भी मिली— हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के लिए 25 लाख और हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड के लिए 5 लाख रुपये। उन्होंने इस पर कहा, पहले के वर्षों में हमें विश्वास नहीं होता था कि हमें इतनी बड़ी राशि भी मिल सकती है। यह सिर्फ सम्मान का विषय नहीं है, बल्कि हमें अपने परिवार और प्रियजनों की देखभाल करने का अवसर भी देता है। भारत में बहुत कम खेलों में महिलाओं को इतनी बड़ी पहचान और अवसर मिलते हैं।

आने वाले समय में सविता का ध्यान अगले साल के वर्ल्ड कप और एफआईएच महिला प्रो लीग पर रहेगा। उन्होंने कहा, जब देश हमें इतना सम्मान और प्रोत्साहन देता है, तो यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें। इन पुरस्कारों के साथ एक जिम्मेदारी भी जुड़ती है।

भारत के हालिया प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने एफआईएच महिला प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में कुछ शानदार प्रदर्शन किए। खासकर नीदरलैंड्स को शूटआउट में हराना हमारे लिए एक बड़ी जीत थी। यह मेरी इस साल की सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में से एक थी। उम्मीद है कि हम आगे और बेहतर करेंगे।

सोने की आदतों का खुलासा करेगा फेसबुक

सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक का उपयोग लोगों के सोने की आदतों को ट्रैक करने में किया जा सकता है। इसके लिए एक डाटाबेस बनाना होगा, जब आपका दोस्त लास्ट ऑनलाइन देखा गया, चैटिंग में या फेसबुक पर पोस्ट लाइक करने में व्यस्त था। लोगों के सोने की आदत पर सैन फ्रांसिस्को के सॉफ्टवेयर इंजीनियर सोरेन लॉव जानसन अध्ययन कर रहे हैं। जॉनसन ने कहा कि अधिकतर लोगों का सुबह का सबसे पहला काम और रात को सोने जाने से पहले का काम फेसबुक विजिट होता है। यानि वे फेसबुक के बिना नहीं रह सकते। एक अध्ययन के जरिए लॉव ने एक सर्विस का निर्माण किया है जो हर 10 मिनट में फेसबुक को चेक करती है, जिससे उन्हें उनके दोस्तों की फेसबुक एक्टिविटी की सही विवरण मिलता है। साथ ही दोस्तों के सोने के समय की जानकारी के लिए फेसबुक मैसेंजर सर्विस के टाइम स्टांप का उपयोग किया। वो जानना चाहते थे कि लास्ट सीन का डाटा कहां से आता है और कुछ रिसर्च के बाद अपने फेसबुक फ्रेंड्स के यूजर IDs व लास्ट एक्टिविटी टाइम स्टांप को खोज निकाला।

अच्छी और बुरी बातें

भले ही सोशल नेटवर्किंग का क्रेज आजकल के बच्चों में अधिक दिखता हो और इंटरनेट के मामलों में वे काफी समझदार हो गए हों, लेकिन उनको ये नहीं भूलना चाहिए कि एक छोटी सी भूल उनके लिए नुकसानदेह हो सकती है। सिर्फ बच्चों ही नहीं मां-बाप को भी इस मामले में ख्याल रखना चाहिए। सोशल नेटवर्किंग में खतरे हैं तो क्या इसका यह मतलब नहीं है कि हमें इन साइट्स को ब्लॉक कर देना चाहिए या हमें इन साइट्स का प्रयोग ही नहीं करना चाहिए।

नवजात की अच्छी नींद से जुड़ी मूल बातें

नवजात के लिए स्तनपान के अलावा सबसे ज्यादा जरूरी होता है भरपूर नींद लेना। इसलिए जन्म लेने के बाद से 1 साल के होने तक बच्चे की नींद का पूरा खयाल रखना चाहिए। भरपूर नींद लेने से बच्चे का संपूर्ण विकास होता है। कई शोधों में भी यह बात सामने आ चुकी है कि भरपूर नींद लेने से बच्चे के शरीर के साथ-साथ उसके दिमाग का भी विकास ठीक तरह से होता है। लेकिन यदि बच्चे का पेट भरा न हो तो वह सो नहीं पाता है। इसलिए इसका भी ध्यान रखिए।

कितने घंटे की नींद

नवजात बच्चे को कम से कम 16 घंटे की नींद लेना चाहिए, इसमें दिन में लगभग 7-8 घंटे और रात में 8-9 घंटे की नींद पूरा करना जरूरी हो जाता है। जैसे-जैसे बच्चा बड़ा होता जाता है उसकी नींद की अवधि भी कम होती जाती है। यानी यदि आपका बच्चा 1 महीने का है तो उसके लिए 14-15 घंटे की नींद लेना पर्याप्त माना जाता है।2 महीने से 6 महीने तक के बच्चे को 14 घंटे की नींद लेना जरूरी है। जबकि 7 महीने से 1 साल तक के बच्चे को लगभग 13 घंटे सोना चाहिए। लेकिन जैसे-जैसे आपका बच्चा बड़ा होता जा उसकी दिन की नींद की अवधि कम करके रात की नींद की अवधि बढ़ा देना चाहिए। यानी अगर आपका बच्चा 6 महीने का है तो आपकी कोशिश यह हो कि उसे दिन में 3 घंटे सुलाएं और रात में कम से कम 11 घंटे सुलाएं।

स्तनपान और नींद

जन्म के 6 महीने तक बच्चे को केवल स्तनपान कराना चाहिए। यह बहुत ही शानदार तरीका है बच्चे को सुलाने का जब आपकी गोद में ही आपका लाडला झपकी ले ले। शुरूआत के 3-4 महीने तक बच्चा दिन और रात में फर्क नहीं कर पाता है, इसलिए बच्चे को इस दौरान दिन और रात दोनों समय बराबर मात्रा में स्तनपान कराएं। जब बच्चा सो रहा हो तब उसे स्तनपान न कराएं। जब बच्चे का पेट खाली हो जाएगा तो वह खुद नींद से जाग जाएगा ऐसे में उसे स्तनपान कराकर सुलाइए।

रात में सोते वक्त ध्यान रखें

नवजात को अच्छे से सुलाने के लिए रात में उसके साथ ही सोएं। यदि आपके पति भी आपके साथ वही बिस्तर साझा कर रहे हैं तो इसपर खास ध्यान रखें। इसके अलावा यदि आपके पति ने धूम्रपान, शराब का सेवन, थकान में हैं, या फिर दवाओं का सेवन किया है तो उनके साथ बिस्तर साझा न करें। इसकी वजह से आपके लाडले की नींद में खलल पड़ सकता है।

बच्चे को कैसे लपेटें

नवजात के शरीर का तापमान सामान्य रखने के लिए उसे कपड़े से लपेटना जरूरी है, इसके आलावा बच्चे को चौंका देने वाले झटके भी आते हैं इससे बचाने के लिए भी उनको लपेटें। शिशु को लपेटने से पहले यह जांच लीजिए कि शिशु कहीं सूखा या गीला तो नहीं है। यह सुनिश्चित करें कि आपने उसका चेहरा या सिर तो नहीं ढक दिया है, क्योंकि इससे सांस लेने में कठिनाई हो सकती है और उसके शरीर का तापमान सामान्य से अधिक हो सकता है। यदि आप अपने शिशु को लपेटती हैं तो सामान्यतः उसे ऊपर एक कम्बल या चादर की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

सुलाते समय ध्यान रखें

- बच्चे को सुलाते समय कई बातों का ध्यान रखना चाहिए, नहीं तो वह नींद से उठ सकता है।
- सुलाने वाली जगह साफ-सुथरी होनी चाहिए, गंदगी होने से संक्रमण हो सकता है।
- आपका बच्चा जहां सोए वहां ज्यादा शोर नहीं होना चाहिए।
- बच्चे को थोड़ी-थोड़ी देर में देखते रहना चाहिए कि कहीं बच्चे ने पेशाब तो नहीं किया है।
- यह देख लें कि बच्चे को कोई परेशानी न हो और उस पर अच्छी तरह चादर पड़ा हो।
- कमरे में अंधेरा होना चाहिए जिससे बच्चे को लगे कि अभी रात है।

लंबाई बढ़ाना है तो आजमाएं ताड़ासन

ताड़ासान योग की ही एक क्रिया है। ताड़ासन जैसा की नाम से ही विदित है ताड़ के पेड़ के समान। ताड़ासन एक ऐसी स्थिति हैं जब आपका शरीर ताड़ के पेड़ की तरह सीधा खड़ा होता है। इसी स्थिति को योग में ताड़ासन कहा जाता है। लेकिन सवाल ये उठता है ताड़ासन क्यों करना चाहिए। ताड़ासन के क्या लाभ हैं, ताड़ासन कौन लोग कर सकते है और किन लोगों के लिए यह अधिक लाभकारी हैं, योग के प्रकार कितने हैं। इन सभी सवालों के जवाबों को जानने के लिए ताड़ासन के बारे में और अधिक जानने की जरूरत है। तो आइए जानें आखिर ताड़ासन क्या हैं।

क्या है ताड़ासन?

ताड़ासन वह आसन है जो खड़े होकर किया जाता है और ऐसे में व्यक्ति की स्थिति ठीक वैसी होती है जैसे वह ताड़ का पेड़ हो। ताड़ासन के दौरान दोनों एड़ी और पंजे थोड़े से अंतराल में एक स्थिति में होते हैं और दोनों हाथ कमर की सीध में ऊपर की ओर होते हैं। ताड़ासन के दौरान जब दोनों हाथ ऊपर की ओर जाते हैं तो दोनों एड़ियां भी ऊपर की और उठती हैं और शरीर का पूरा भार पंजों पर आ जाता हैं।

ताड़ासन करने की विधि

हाथों को ऊपर ले जाकर हथेलियों को मिलाएं और हथेलियां आसमान की तरफ होनी चाहिए। ऐसी स्थिति में दोनों हाथों की अंगुलियां भी आपस में मिली होनी चाहिए। ताड़ासन के दौरान कमर सीधी और नजरें भी सामने की तरफ और गर्दन सीधी होती हैं और शरीर का पूरा भार पंजों पर आ जाता हैं और पूरे शरीर की ताकत शरीर को एक तरफ खींचने में लगती हैं। ताड़ासन जब भी करें तो ध्यान रखें कि आपके आसपास की जगह खुली हो, आप चाहे तो पार्क में भी इस आसन को आराम से कर सकते हैं। ताड़ासन की स्थिति में लंबी सांस भरकर कम से कम 1 से 2 मिनट तक रूकना चाहिए और धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आना चाहिए। फिर कुछ सेकेंड रूककर दोबारा इसी क्रिया को दोहराना चाहिए।

सावधानियां

ताड़ासन के दौरान बहुत सावधानी बरतनी होती है। आपको बॉडी बैलेंस के साथ ही यह भी ध्यान रखना होता है कि आपके हाथ धीरे-धीरे ऊपर की ओर जा रहे हैं तो आपकी एड़ियां भी उसी रफ्तार से ऊपर की ओर उठेंगी। हाथ और पैरों को उठाते हुए आपका पेट अंदर की ओर जाना चाहिए जिससे आपका बैलेंस अच्छी तरह से बन जाएं। ताड़ासन करने से पहले आपको अपने डॉक्टर या फिर योग विशेषज्ञ से सलाह ले लेनी चाहिए क्योंकि यदि आपके पैरों में कोई समस्या है तो आपको ताड़ासन करने से बचना चाहिए।

ताड़ासन के लाभ

ताड़ासन के बहुत लाभ हैं, जिन बच्चों की हाईट कम होती हैं उनके लिए ताड़ासन बहुत ही लाभदायक आसन हैं। यदि आपके पैरों या पंजों में बहुत दर्द रहता है तो आपको चाहिए कि आप ताड़ासन करना चाहिए, इससे आपके पैरों में मजबूती आएगी और पंजों में भी दर्द नहीं होगा। यदि आपका पाचन तंत्र कमजोर है या फिर आपको पेट संबंधी समस्याएं होती हैं तो आपको ताड़ासन करना चाहिए इससे आप स्वस्थ रहेंगे।

भावुकतावश न उठाएं कोई कदम, कॅरियर पर पड़ सकता है असर

परेशानी का सबब न बन जाए नौकरी बदलना

अच्छी नौकरी छोड़ना जितना आसान है, उसे पाना उतना ही कठिन इसलिए कभी भी भावुकतावश नौकरी न छोड़ें। पहले ठंडे दिमाग से अच्छी तरह उसके फायदे-नुकसान जरूर तोल लें। अक्सर देखा गया है कि व्यक्तिगत जीवन में तनाव एवं समस्याएं आने पर पलायनवादी मन वर्तमान से पलायन चाहता है और बगैर कुछ सोचे-समझे यह कदम उठा लेता है, लेकिन इसके बाद का असर अनावश्यक परेशानियां ला सकता है।

समस्याएं सुलझाने से ही आप बनेंगे निर्णय लेने के काबिल

समस्याएं सुलझने पर ही आप सही निर्णय लेने के काबिल बनेंगे। जानकारों का मानना है कि नौकरी बदलने से पहले अपनी आकांक्षाओं को भली-भांति परख लेना चाहिए। साथ ही अपनी योग्यता को ज्यादा या कम नहीं आंकना चाहिए। सही मूल्यांकन जीवन में सफल होने के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी के साथ यह भी जांच लें कि कहीं ऐसा तो नहीं कि 'फैमिलियरिटी ब्रीड्स कटैम्प्ट' (किसी कार्य का गहन ज्ञान या किसी व्यक्ति से अत्यधिक नजदीकी की वजह से उनका महत्व कम होने लगना) वाली कहावत आपके कार्य के साथ भी चरितार्थ हो रही है।

इन बातों का रखें खास ध्यान...

अनजाने का आकर्षण हकीकत में कई बार मोहभंग भी करता है, लेकिन यहां यह सलाह हरगिज नहीं दी जा रही है कि महज 'ओल्ड इज गोल्ड' मान कर आप सदैव अपनी पुरानी नौकरी से ही चिपके रहें, फिर भले ही वह आपके उज्ज्वल भविष्य और शानदार कॅरियर में बाधा ही क्यों न हो। वेतन नौकरी के लिए सबसे प्रथम और महत्वपूर्ण प्रेरणा है। नई जगह अधिक वेतन मिलने जा रहा हो और अन्य सुविधाएं मिलाकर आपको आर्थिक लाभ अधिक दिखाई दे, उस कार्य पर अवश्य गौर किया जा सकता है। वर्तमान नौकरी में आपकी योग्यता का पूरा उपयोग न हो रहा हो, आगे सीखने को न मिल रहा हो, एक जड़ता की स्थिति सी आ गई हो जो आप में कार्य के प्रति ऊब भर रही हो तो आपका नौकरी बदलना एक सही कदम हो सकता है। आपके कार्य की प्रशंसा न करके बॉस आपकी हर समय आलोचना कर आपका मनोबल तोड़ने पर आमादा हो। परिणामस्वरूप आपके पास भी दफ्तर को लेकर सिर्फ नकारात्मक बातें रह जाएं और यह सब आपके व्यक्तित्व को प्रभावित कर रहा हो जिसका असर आपके पारिवारिक जीवन पर पड़ रहा हो तो नौकरी बदलने में ही समझदारी होती हैं, लेकिन नौकरी बदलते वक्त इन बातों पर ध्यान जरूर दिया जाना चाहिए।

रेसिपी

मुघलाई आलू

सामग्री

1 1/4 कप उबले और छिले हुए छोटे आलू, लंबे आधे टिकड़ो मे काटे हुए, 1/2 कप फेंटा हुआ ताजा दही,नमक स्वादअनुसार,3 टेबल-स्पून घी, 3/4 कप कसा हुआ प्याज,4 लौंग,2 इलायची, 2 टेबल-स्पून फ्रेश क्रीम, 1/2 टी-स्पून शक्कर, पीसकर खस-खस का मुलायम पेस्ट बनाने के लिए, 3 टेबल-स्पून खस-खस का पाउडर, 1 अदरक का टुकड़ा, 3 लहसुन की कलियां, 2 हरी मिर्च, कटी हुई, 2 टेबल-स्पून पानी, मिलाकर मसाला पेस्ट बनाने के लिए, 2 टेबल-स्पून पानी, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 2 टी-स्पून धनिया-जीरा पाउडर,परोसने के लिए, पुरी/पराठे/नान

विधि

दही, खस-खस का पेस्ट और नमक को एक बाउल मे डालकर अच्छी तरह मिला लें। आलू डालकर हल्के हाथों मिलाएं और मेरीनेट करने के लिए 10-15 मिनट एक तरफ रख दें। नॉन-स्टिक कढ़ाई मे घी गरम करें, प्याज, लौंग और इलायची डालकर मध्यम आंच पर 1-2 मोनट तक भुनें। तैयार मसाले का पेस्ट डालकर अच्छी तरह मिलायें और मध्यम आंच पर लगातार हिलाते हुए 1 मिनट तक पकाएं। मैरिनेट किए हुए आलू और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे गिलाते हुए धीमी आंच पर और 2 मिनट तक पकाएं। क्रीम, नमक और शक्कर डालकर अच्छी तरह मिलाएं और बीच-बीच मे गिलाते हुए धीमी आंच पर 10 मिनट तक पकाएं। पुरी, पराठे या नान के साथ गरमा-गरम परोसें।

मटर ढिंगरी

सामग्री

1 कप उबले हुए हरे मटर, 3/4 कप स्लाईस्ड खूंभ (ढिंगरी)
1 1/2 टी-स्पून तेल ,1/4 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून अदरक-लहसून का पेस्ट, 1/2 कप बारीक कटा हुआ टमाटर, 5 टेबल-स्पून फेंटा हुआ दही, नमक, स्वाद अनुसार
1/4 टी-स्पून गरम मसाला, काजू-खसखस पेस्ट के लिए, 1/4 कप काजू, 2 टेबल-स्पून खसखस, परोसने के लिए
चावल/ पराठा/ क्रेकर

विधि

काजू और खसखस को मिलाइए और पानी का उपयोग न करते हुए मिक्सर में पीस लीजिए। थोड़ा पानी डालिए और दुबारा मुलायम होने तक पीस लीजिए। एक तरफ रख दीजिए। **आगे की विधि:** एक नॉन-स्टिक तवे में तेल गरम करिए उसमे प्याज डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे अदरक-लहसून का पेस्ट, टमाटर और 2 टेबल-स्पून पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे लाल मिर्च का पाउडर, दही, नमक, हरे मटर और खूंभ डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर दुबारा 1 से 2 मिनट बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे काजू-खसखस पेस्ट, 2 टेबल-स्पून पानी और गरम मसाला डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। चावल, पराठा या क्रेकर्स के साथ गरमा गरम परोसिए।

एक बार फिर फैशन में आया पुराना ट्रेंड

महिला हो या पुरुष, बूढ़ा हो या बच्चा आजकल हर कोई फैशन ट्रेंड को फॉलो करता है। आजकल पुराने जमाने का फैशन घूम-फिर कर वापिस आ रहा है। आपको याद होगा कि पुराने जमाने की हीरोइनें लम्बा सा बेल बॉटम पहनकर इतराती थीं। पहले फ्लेयर वाले बेल बॉटम अच्छे लगते थे। उन्हें पहनना और कैरी करना भी काफी आसान हुआ करता था। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा 'गुंडे' मूवी में भी ऐसे ही लुक में नजर आई थीं।

फिल्मों में भी बदला ट्रेंड...

वैसे हॉलीवुड मूवी में भी बेलबॉटम का ट्रेंड देखा जा सकता है, जॉन ट्रावोलेटा ने सैटर-डे नाइट फीवर में बेलबॉटम पहना है। नई लुक लेने के लिए आप भी इसे ट्राई कर सकते हैं। अगर आप जानना चाहती हैं कि बेलबॉटम आपको क्यों पहनना चाहिए तो ये जान लीजिए कि इस तरह का फैशन आपको काफी कंफर्टेबल फील कराता है। और आप बेलबॉटम पैंट पहनने के बाद काफी रिलैक्स महसूस करती हैं। आइए आज हम आपको बताते हैं कि इसका फैशन पर क्या प्रभाव है?

नए लुक के लिए: जींस के कई शेड और डिजाइन आपने ट्राई किए होंगे, लेकिन अब उनसे अगर आपका दिल भर गया हो, तो बेलबॉटम को ट्राई करें। आपको रिफ्रेश फील होगा।

कम्फर्टेबल और गुड लुकिंग...

हल्के: जींस का वजन काफी ज्यादा होता है, लेकिन बेलबॉटम सॉफ्ट और हल्के कपड़े से बनी होती है। जींस के कपड़ों से बने बेलबॉटम भी जींस की तरह हैवी नहीं होते हैं।

हाइट अच्छी लगती है: बेलबॉटम पहनने के बाद कम से कम हाइट वाले की लम्बाई भी अच्छी लगती है। क्योंकि इसे पहनने से टांगे लम्बी लगती हैं।

सेक्सी लुक : बेलबॉटम पहनने के बाद कमर और टांगों पर कसाव रहता है जिससे फिगर उभर कर सामने आता है और आप काफी सेक्सी लगती हैं।

पलती लगती हैं : बेलबॉटम की यह बात खास है कि इसे पहनने के बाद शरीर काफी पतला लगता है। छरहरे बदन पर यह काफी अच्छा लगता है, लेकिन भारी शरीर के लोग भी इसे पहनने के बाद भद्दे नहीं लगते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**